▪ RNI No. : TNHIN/2013/5252 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 152 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 26-12-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 न्याय उस भाषा में मिलना चाहिए जिसे लोग समझ सकें : अखिलेश

6 साहिबजादों की शहादत और वीर बाल दिवस की प्रासंगिकता

7 इक्कीस पर विक्की कौशल: जब असली हीरो 21 की उम्र में ही लीजेंड बन जाते हैं

फर्स्ट टेक

राष्ट्रपति मुर्मू ने संथाली भाषा में भारत का संविधान जारी किया

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को एक समारोह में संथाली भाषा में भारत का संविधान जारी किया। यह समारोह राष्ट्रपति भवन में आयोजित किया गया था। संथाली भाषा को वर्ष 2003 के 92वें संशोधन अधिनियम के माध्यम से संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया था। यह भारत की प्राचीन भाषाओं में से एक है। यह भाषा झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और बिहार में रहने वाले आदिवासी लोगों द्वारा बोली जाती है। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन के दौरान कहा कि यह सभी संथाली लोगों के लिए गर्व और खुशी की बात है कि भारत का संविधान अब संथाली भाषा में, ओल चिकी लिपि में उपलब्ध है। मुर्मू ने कहा कि इससे वे संविधान को अपनी भाषा में पढ़ और समझ सकेंगे।

बांग्लादेश में जबरन वसूली के आरोप में हिंदू व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या

ढाका/नई दिल्ली/भाषा। बांग्लादेश में जबरन वसूली के आरोप को लेकर एक हिंदू व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मीडिया की खबरों से बृहस्पतिवार को यह जानकारी मिली। देश में पिछले हफ्ते भी अल्पसंख्यक समुदाय के एक अन्य व्यक्ति की भीड़ ने पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। 'द डेली स्टार' अखबार ने पुलिस के हवाले से बताया कि ताजा घटना बुधवार को राजबाड़ी शहर के पांगशा उपजिला में हुई। अखबार के मुताबिक, मृतक की पहचान अमृत मंडल के रूप में हुई, जिसने कथित तौर पर एक आपराधिक गिरोह बनाया था और जबरन वसूली व अन्य आपराधिक गतिविधियों में शामिल था। अखबार के अनुसार, घटना के दिन स्थानीय लोगों ने उस समय मंडल की पिटाई शुरू कर दी, जब उसने अपने समूह के सदस्यों के साथ एक निवासी के घर से वसूली की कोशिश की।

आदिवासी अस्पतालों को ड्रोन के जरिए दवाएं और रक्त पहुंचाया जाएगा

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग ने बृहस्पतिवार को एक निजी संगठन के साथ दूरदराज के आदिवासी क्षेत्रों के अस्पतालों में ड्रोन के माध्यम से दवाएं और रक्त इकाइयां पहुंचाने के लिए एक समझौता किया। अल्लूरी सीताराम राजू जिले का पाडेरु मंडल इस पहल का केंद्र होगा, जिसका उद्देश्य जिले के सुदूर आदिवासी क्षेत्रों में आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को मजबूत करना और आवश्यक दवाओं और रक्त की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करना है।

कर्नाटक में ट्रक और बस की टक्कर में छह लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्रदुर्ग (कर्नाटक)/ भाषा। कर्नाटक के चित्रदुर्ग जिले में बुधवार देर रात एक तेज रफ्तार ट्रक के बस से टकरा जाने के बाद बस में आग लग गई, जिससे एक बच्चा समेत कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

पूर्वी जोन के पुलिस महानिरीक्षक रविकांत गौड़ा ने पहले प्रारंभिक जांच का हवाला देते हुए कहा था कि नौ लोग मारे गए है, लेकिन बाद में उन्होंने और जिला पुलिस प्रमुख ने कहा कि पांच लोगों की जान गई।

बाद में पता चला कि इस दुर्घटना में जान गंवाने वालों में एक बच्ची भी शामिल थी।

पुलिस अधीक्षक रंजीत कुमार बंदारू ने चित्रदुर्ग में संवाददाताओं को बताया, इसके साथ ही इस दुर्घटना में मरने वालों की संख्या छह हो गई है। प्रारंभिक जांच के आधार पर, गौड़ा ने कहा था कि तीन लोग लापता हैं, लेकिन बंदारू ने कहा कि केवल दो लोग लापता हैं।

गौड़ा के अनुसार, एक लापता दंपति की पहचान हो गई है और वे सुरक्षित हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने हादसे में लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री दोनों ने मृतकों के परिजनों को अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

सिद्दरामय्या ने कहा कि इस दुर्घटना की जांच की जाएगी।

गौड़ा ने संवाददाताओं को बताया कि यह दुर्घटना तब हुई जब एक कंटेनर ट्रक डिवाइडर को पार कर गया और सामने से आ रही बस से टकरा गया।

अधिकारी ने बताया कि बस में चालक और परिचालक समेत कुल 32 लोग सवार थे और यह बेंगलुरु से गोकर्ण जा रही थी। टक्कर के बाद बस में आग लग गई और हिरियूर तालुक के गोलार्थी इलाके में हुए इस हादसे में बस में सवार अधिकांश लोगों की जलकर मौत हो गई।

बंदरू के अनुसार, बस में यात्रा के लिए 29 लोगों ने पहले से बुकिंग कराई थी, जिनमें से एक व्यक्ति ने अपनी यात्रा की योजना स्थगित कर दी थी। बेंगलुरु से रवाना होते समय बस में 28 यात्री, चालक और परिचालक समेत कुल 30 लोग सवार थे। रास्ते में दो अन्य यात्री भी बस में चढ़े। गौड़ा ने कहा, अब तक की जांच के अनुसार, कंटेनर (ट्रक) ने बस के डीजल टैंक को टक्कर मारी, जिससे टैंक से डीजल लीक हो गया और आग लग गई।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, जीवित बचे लोगों में तीन दोस्त शामिल थे। दो अन्य यात्रियों ने वाहन से कूदकर अपनी जान बचाई।

अल्पसंख्यकों पर हमला अस्वीकार्य : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बृहस्पतिवार को कहा कि अल्पसंख्यकों पर हमले अस्वीकार्य हैं और दंगाइयों पर अंकुश लगाना एक साझा व आवश्यक कर्तव्य है, जिसे दृढ़ संकल्प के साथ लागू किया जाना चाहिए।

मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एमडीएमके) महासचिव वाइको और अभिनय से राजनीति में आए विजय के नेतृत्व वाले तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) ने भी ईसाई पूजा स्थलों को निशाना बनाकर किए गए कथित हमलों की निंदा की। स्टालिन ने कहा कि बहुसंख्यक लोगों की सच्ची ताकत और चरित्र अल्पसंख्यकों को भयमुक्त जीवन जीने देने में निहित है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''जब कुछ दक्षिणपंथी हिंसक समूह बहुसंख्यक होने के नाम पर हमले व दंगे करते हैं, वह भी ऐसे समय में जब प्रधानमंत्री क्रिसमस समारोह में भाग ले रहे हैं। यह राष्ट्र को एक चिंताजनक संदेश देता है।''

स्टालिन ने कहा कि मणिपुर के बाद, जबलपुर, रायपुर और अन्य जगहों पर अल्पसंख्यकों पर हमलों की कथित खबरें सद्भाव को महत्व देने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए अस्वीकार्य हैं। उन्होंने कहा कि इसलिए समाज को बांटने वाले दंगाइयों पर अंकुश लगाना एक साझा और आवश्यक कर्तव्य है, जिसे दृढ़ संकल्प के साथ लागू किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सत्ता में आने के बाद से अल्पसंख्यकों के खिलाफ नफरत भरे भाषणों में कथित तौर पर 74 प्रतिशत की वृद्धि का दावा करते हुए कहा कि यह 'गंभीर खतरे' का संकेत है।

वाइको ने रायपुर और जबलपुर समेत कई स्थानों पर गिरजाघरों व ईसाइयों को निशाना बनाने वाली 'हिंदुत्ववादी भीड़' की कड़ी निंदा की तथा संबंधित राज्य सरकारों से हिंसा फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

गर्व है कि हमारी सरकार को अनुच्छेद 370 को समाप्त करने का अवसर मिला : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को गर्व है कि उसकी सरकार को, जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को समाप्त करने का अवसर मिला।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष के मौके पर मोदी ने यहां लखनऊ में राष्ट्र प्रेरणा स्थल का लोकार्पण किया और यहां स्थापित पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण कर पुष्पांजलि अर्पित की। मोदी ने मुखर्जी का स्मरण करते हुए कहा, ''मुखर्जी ने देश को दिशा देने में निर्णायक भूमिका निभाई। ये डॉक्टर मुखर्जी ही थे जिन्होंने भारत में दो निशान, दो प्रधान और दो विधान को खारिज कर दिया था।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''जम्मू- कश्मीर में यह व्यवस्था भारत के लिए चुनौती थी, भाजपा को यह गर्व है कि हमारी सरकार को अनुच्छेद 370 को समाप्त करने का अवसर मिला। आज भारत का संविधान जम्मू कश्मीर में भी पूरी तरह लागू है।''

मोदी ने कहा, ''स्वतंत्र भारत के पहले उद्योग मंत्री के रूप में मुखर्जी ने भारत में आर्थिक आत्मनिर्भरता की नींव रखी और देश को पहली औद्योगिक नीति देकर भारत में इसकी बुनियाद रखी।'' उन्होंने जोर देकर कहा ''उप्र में देखिए, एक तरफ 'एक जनपद-एक उत्पाद' का कितना बड़ा अभियान चल रहा है, छोटी छोटी इकाइयों का सामर्थ्य बढ़ रहा है और दूसरी तरफ उप्र में बहुत बड़ा रक्षा गलियारा भी बन रहा है। '' मोदी ने कहा, '' 'ऑपरेशन सिंदूर' में दुनिया ने जिस ब्रह्मोस मिसाइल का जलवा देखा, वह लखनऊ में बन रही है। वह दिन दूर नहीं, जब उप्र का रक्षा गलियारा रक्षा विनिर्माण के लिए जाना जाएगा।'' उन्होंने विपक्षी दल पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार द्वारा बनाई गई सुशासन की विरासत को अब केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर नई ऊंचाइयों पर ले जाया जा रहा है।

चन्नई जा रही बस की टक्कर से 9 की मौत

घायलकुड्डालोर (तमिलनाडु)। तमिलनाडु के कुड्डालोर जिले में बुधवार शाम एक भीषण सड़क हादसे में नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि कम से कम दस अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब चन्नई की ओर जा रही एक सरकारी बस अनियंत्रित होकर विपरीत दिशा में आ रही दो कारों से टकरा गई। पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना थिट्टाकुडी के पास एज़ुथुर इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग पर शाम करीब 7:30 बजे हुई। बस का एक टायर अचानक फटने से चालक का नियंत्रण बिगड़ गया। इसके बाद बस सड़क के बीच बने डिवाइडर को पार कर दूसरी लेन में चली गई और सामने से आ रही दो कारों से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों कारें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। हादसे में कारों में सवार कई लोग मौके पर ही फंस गए। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से घायलों को बाहर निकाला गया और नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। मृतकों में चार महिलाएं भी शामिल हैं।

प्रधानमंत्री की वजह से भारत की हैसियत पूरी दुनिया में बनी : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देश को विकास और आत्मनिर्भरता के पथ पर ले जाने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि पहले अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की बातों को गंभीरता से नहीं लिया जाता था, लेकिन आज भारत की हैसियत पूरी दुनिया में बनी है।

यहां पूर्व प्रधानमंत्री 'भारत रत्न' अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 'राष्ट्र प्रेरणा स्थल' के लोकार्पण और पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमाओं के अनावरण के मौके पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय जगत में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत और अभिनंदन है।

लखनऊ के सांसद सिंह ने मुखर्जी, उपाध्याय और वाजपेयी के विचारों और उनकी नीतियों की सराहना की और उपस्थित लोगों से कहा, ''आपको जानकर प्रसन्नता होगी कि मोदी जी ने भारत का मस्तक ऊंचा किया और उनको दुनिया के 29 देशों का सर्वोच्च सम्मान प्राप्त हुआ है, यह ऐसे नेता हैं।'' विरासत का स्मरण करते हुए सिंह ने कहा कि इन महापुरुषों ने आजाद भारत को सम्मान और स्वाभिमान दिलाने का कार्य किया। रक्षा मंत्री ने कहा कि मोदी ने मुखर्जी, उपाध्याय और वाजपेयी के संकल्पों को पूरा करने का कार्य किया। उन्होंने कहा, ''एकात्म मानववाद और अंत्योदय का विचार देकर दीनदयाल ने एक दर्शन दिया और उसी आधार पर मोदी जी सशक्त और स्वावलंबी भारत बनाने के लिए सतत प्रयत्नशील हैं।''

सिंह ने कहा कि आजाद भारत के इतिहास में महंगाई की दर एक फीसदी से नीचे गई है और विकास की दर मोदी के शासन में देखने को मिल रही है। सिंह ने कहा कि पहले अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की बातों को गंभीरता से नहीं लिया जाता था, लेकिन आज भारत की हैसियत पूरी दुनिया में बनी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने गांव, गरीब, किसानों के लिए बड़ा काम किया और मनरेगा योजना की जगह एक नया विधेयक संसद में पारित किया और अब जिन श्रमिकों को 100 दिन का काम मिलता था।

नाइजीरिया में मस्जिद में विस्फोट में पांच लोगों की मौत, 35 घायल

लागोस/एपी। नाइजीरिया के उत्तर पूर्वी राज्य मैदुगुरी में बुधवार रात एक मस्जिद में नमाज के दौरान बम विस्फोट में पांच लोगों की मौत हो गई और 35 लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि यह एक आत्मघाती हमला हो सकता है। बोर्नो राज्य के पुलिस कमान के प्रवक्ता नाहूम दासो ने एक बयान में कहा, ''प्रारंभिक जांच से लगता है कि यह आत्मघाती बम विस्फोट हो सकता है, क्योंकि संदिग्ध आत्मघाती जैकेट के टुकड़े बरामद हुए हैं और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान भी दर्ज किए गए हैं।

देशभर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया क्रिसमस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देशभर में बृहस्पतिवार को पूरी श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ क्रिसमस का त्योहार मनाया गया। इस दौरान गिरजाघरों को रोशनी से सजाया गया, जबकि बड़ी संख्या में लोग मध्यरात्रि प्रार्थनाओं में शामिल हुए व शांति और सौहार्द के लिए प्रार्थनाएं कीं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष जे. पी. नड्डा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी और प्रमुख राजनीतिक दलों के कई अन्य नेताओं ने लोगों को क्रिसमस की शुभकामनाएं दीं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने 'एक्स' पर लिखा, क्रिसमस के इस पावन अवसर पर, मैं सभी नागरिकों, विशेष रूप से ईसाई समुदाय के भाइयों व बहनों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। उन्होंने कहा कि क्रिसमस, खुशी और उत्साह का त्योहार है, जो प्रेम और करुणा का संदेश देता है।

उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने भी क्रिसमस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, ''आशा, प्रेम और दयालुता से परिपूर्ण आनंदमय क्रिसमस की सभी को शुभकामनाएं। ईसा मसीह का संदेश हमें अधिक मजबूत और संवेदनशील समुदाय बनाने के लिए प्रेरित करे और उनकी शिक्षाएं हमारे संबंधों को प्रगाढ़ करते हुए स्थायी शांति को बढ़ावा दें।''

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को दिल्ली के 'कैथेड्रल चर्च ऑफ द रिडेम्पशन' में क्रिसमस की प्रार्थनासभा में हिस्सा लिया। इस अवसर पर दिल्ली और उत्तर भारत से बड़ी संख्या में आए ईसाई श्रद्धालु गिरजाघर में उपस्थित थे।

26-12-2025 सूर्यास्त 5:50 बजे	27-12-2025 सूर्योदय 6:29 बजे

BSE	NSE
85,408.70 (-116.14)	26,139.70 (-37.45)

सोना	चांदी
14,019 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	231,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

राजनीतिक फण्डे

है राजनीति का प्रबल अस्त्र,
दुश्मन की करना जासूसी।
सत्ता कहती है हरा जिसे,
प्रतिपक्षी कह देता भूसी।
चाहे अच्छे हो कृत्य भले,
फिर भी होती कानाफूसी।
गठबंधन होते ठगबंधन,
जिनमें चलती रुसारुसी।।

गुजरात के नारोली नगर में होगा ध्वजारोहण एवं गुरु सप्तमी का आयोजन

मुनि चारित्ररत्नविजय की निश्रा में दो दिवसीय महोत्सव होगा

थराद। गुजरात राज्य में थराद तीर्थ के पास स्थित नारोली नगर में श्री सौधर्म बृहत्तपागच्छीय गुरुदेव श्रीमद् विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी महाराजा के शिष्य एवं गच्छाधिपति आचार्य नित्यसेनसूरीश्वरजी व जयरत्नसूरीश्वरजी के आज्ञानुवर्ती मुनिश्री चारित्ररत्नविजयजी व अजितसेनविजयजी की निश्रा में 26 दिसम्बर को श्रेयांसनाथ जिनालय का ध्वजारोहण होगा एवं 27 दिसम्बर को सौधर्म बृहत्तपागच्छीय गुरुदेव राजेन्द्रसूरीजी की 199वीं जन्म एवं 119वीं पुण्यतिथि 'गुरु सप्तमी' आयोजन संपन्न होगा। नारोली नगर में आयोजित इस आयोजन का लाभ संघ की आज्ञा ने नारोली निवासी मोहनलाल दलछाचंदभाई वोहरा परिवार ने लिया।

सुशासन कोई अमूर्त आदर्श नहीं बल्कि दैनिक प्रशासनिक जिम्मेदारी : जितेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि सुशासन एक अमूर्त आदर्श नहीं है, बल्कि पारदर्शिता, जवाबदेही और नागरिक-केंद्रित सेवाओं पर आधारित एक दैनिक प्रशासनिक जिम्मेदारी है।

सिंह ने यहां सुशासन प्रथाओं पर आयोजित एक राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन करने के बाद मुख्य शासन प्रक्रियाओं को मजबूत करने और तेजी से विकसित हो रहे प्रशासनिक परिदृश्य की चुनौतियों के लिए लोक सेवकों को तैयार करने के उद्देश्य से पांच प्रमुख पहलों की भी शुरुआत की। मंत्री ने भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों, नीति निर्माताओं और हितधारकों को 25 दिसंबर को प्रतिवर्ष मनाए जाने वाले सुशासन दिवस के मौके पर संबोधित करते हुए कहा कि सुशासन एक अमूर्त आदर्श नहीं बल्कि पारदर्शिता, जवाबदेही और नागरिक-केंद्रित सेवाओं के वितरण पर आधारित एक दैनिक प्रशासनिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सुशासन दिवस का विशेष महत्व है क्योंकि देश पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती मना रहा है, जिन्होंने सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी की अवधारणा को संस्थागत रूप दिया और लोक आधारित शासन की नींव रखी। सिंह ने कहा कि सुशासन का विचार पहले भी रखा गया था, लेकिन 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ''न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन'' के मंत्र के मार्गदर्शन में इसे अक्षरशः और पूरी भावना के साथ लागू करने की शुरुआत की गई।

मंत्री ने कहा कि कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) इस सुशासन दिवस पर पांच प्रमुख पहल शुरू कर रहा है, जिनका उद्देश्य मुख्य शासन प्रक्रियाओं को मजबूत करना, प्रमुख हितधारक समूहों का समर्थन करना और तेजी से विकसित हो रहे प्रशासनिक परिदृश्य की चुनौतियों के लिए लोक सेवकों को तैयार करना है।

भारत में पेट्रोल पंप की संख्या एक लाख के पार, एक दशक में हुई दोगुना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश में पेट्रोल पंप की संख्या 2015 से दोगुना होकर 1,00,000 के पार पहुंच चुकी है। सार्वजनिक क्षेत्र के ईंधन खुदरा विक्रेताओं ने बाजार हिस्सेदारी को बनाए रखने तथा ग्रामीण एवं राजमार्ग क्षेत्रों में ईंधन की पहुंच को और अधिक बढ़ाने के लिए तेजी से पेट्रोल पंप का विस्तार किया है। पेट्रोलियम मंत्रालय के अंतर्गत आने वाला पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, नवंबर के अंत तक देश में 1,00,266 पेट्रोल पंप थे। यह अमेरिका और चीन के बाद तीसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है।

सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) जैसी सरकारी कंपनियों के पास 90 प्रतिशत से अधिक पंप हैं। रूस की रोसनेफ्ट समर्थित नायरा एनर्जी लिमिटेड 6,921 पेट्रोल पंप के साथ सबसे बड़ी निजी ईंधन खुदरा विक्रेता है।

इसके बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और बीपी के संयुक्त उद्यम के स्वामित्व वाले 2,114 पेट्रोल पंप हैं। शेल के 346 पेट्रोल पंप हैं। पीपीएसी के आंकड़ों के अनुसार, पेट्रोल पंप नेटवर्क 2015 में 50,451 स्टेशन से लगभग दोगुना हो गया है। उस वर्ष, निजी कंपनियों के स्वामित्व वाले 2,967 पेट्रोल पंप कुल बाजार का लगभग 5.9 प्रतिशत थे। वर्तमान में, वे कुल बाजार का 9.3 प्रतिशत हिस्सा हैं। भारत में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा पेट्रोल पंप नेटवर्क है। अमेरिका में सबसे बड़ा नेटवर्क है।

पर्यावरण चिंताओं पर प्रधानमंत्री की कथनी और करनी में अंतर : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने अरावली पर्वतमाला से जुड़े मुद्दे को लेकर बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि पर्यावरण संबंधी चिंताओं पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वैश्विक स्तर की कथनी और उनकी स्थानीय स्तर की करनी के बीच कोई तालमेल नहीं है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि अरावली का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा नई परिभाषा के तहत संरक्षित नहीं किया जाएगा और इसे खनन, रियल एस्टेट और अन्य गतिविधियों के लिए खोला जा सकता है जो पहले से ही तबाह पारिस्थितिकी तंत्र को और नुकसान पहुंचाएगा। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, मोदी सरकार द्वारा अरावली की पुनर्परिभाषा, जो सभी विशेषज्ञों की राय के विपरीत है, खतरनाक और विनाशकारी है। भारतीय वन सर्वेक्षण के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 20 मीटर से अधिक ऊंची अरावली पहाड़ियों का केवल 8.7 प्रतिशत हिस्सा ही 100 मीटर से अधिक ऊंचा है। उन्होंने कहा, यदि हम एफएसआई द्वारा पहचानी गई सभी अरावली पहाड़ियों को लें, एक प्रतिशत भी 100 मीटर से अधिक नहीं है। एफएसआई का मानना है और यह सही भी है कि ऊंचाई की सीमाएं संदिग्ध हैं और ऊंचाई की परवाह किए बिना सभी अरावली को संरक्षित किया जाना चाहिए।

असली चाय के पौधे से बना पेय ही माना जाएगा चाय: एफएसएसएआई

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने खाद्य व्यवसाय परिचालकों को कड़ी चेतावनी देते हुए है कि अगर कोई हर्बल या पौधा-आधारित पेय पदार्थ, असली चाय के पौधे 'कैमेलिया सिनेंसिस' से नहीं बना है, तो उसे 'चाय' के रूप में नहीं बेचा जा सकता है। एफएसएसएआई ने बुधवार को जारी निर्देश में कहा कि इस तरह के उत्पादों को गलत ब्रांडिंग और ग्राहकों को गुमराह करने वाला माना जाएगा। इसके मुताबिक, कई खाद्य व्यवसाय से जुड़े कई परिचालक 'रुइबोस चाय', 'हर्बल चाय', 'फ्लॉवर टी' जैसे उत्पादों का विपणन कर रहे हैं, जबकि ये असली चाय के पौधे से नहीं निकले हैं। नियमों के मुताबिक, 'चाय' शब्द का उपयोग केवल उन्हीं पेय के लिए किया जा सकता है जो कैमेलिया सिनेंसिस पौधे से बने हों। इसमें ग्रीन टी, कांगड़ा टी और इंस्टेंट टी जैसे उत्पाद शामिल हैं। एफएसएसएआई ने स्पष्ट रूप से कहा है, ऐसे हर्बल या पौधों से बने मिश्रण जो असली चाय के पौधे से नहीं बने हैं, उन्हें 'चाय' नाम से नहीं बुलाया जा सकता है।

व्यवसायी को डेटिंग ऐप के माध्यम से मिली महिला ने 53 लाख रुपए का चूना लगाया

मुंबई/भाषा। मुंबई के एक व्यवसायी को फर्जी निवेश योजना में पैसा लगाने के लिए तैयार करके एक महिला ने कथित तौर पर उसे 53 लाख रुपए का चूना लगाया। पीड़ित की महिला से एक डेटिंग ऐप के माध्यम से दोस्ती हुई थी। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि शिकायतकर्ता ने शादी करने की इच्छा से एक डेटिंग ऐप पर अकाउंट बनाया था और उसके माध्यम से उसकी एक महिला से हुई, जिसने खुद की पहचान जुहू निवासी 'प्रियंका गुप्ता' के तौर पर की। अधिकारी के मुताबिक, महिला ने व्यवसायी को बताया कि वह अपने पति से अलग हो गई है और अपनी छह साल की बेटी के साथ रह रही है। इसके बाद दोनों ने व्हाट्सएप पर बातचीत शुरू कर दी। जल्द ही उन्होंने शादी करने का फैसला किया। शिकायत के मुताबिक, 13 अक्टूबर को महिला ने व्यवसायी को बताया कि वह 'मार्केट एक्सेस कंपनी' नामक एक फर्म के माध्यम से सोने का व्यापार करती है और उसे भी इसमें निवेश करना चाहिए क्योंकि इससे अच्छा मुनाफा मिलता है। शिकायतकर्ता अंततः निवेश करने के लिए सहमत हो गया।

छत्तीसगढ़ सरकार खिलाड़ियों के सपनों को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध : साय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गुरुवार को कहा कि राज्य सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए ठोस कदम उठा रही है और खिलाड़ियों के सपनों को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। वह यहां संसद खेल महोत्सव, फिट युवा, विकसित भारत कार्यक्रम के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

साय ने कहा, ''इस तरह के आयोजन युवा पीढ़ी में खेल संस्कृति को मजबूत करते हैं और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''छत्तीसगढ़ सरकार खिलाड़ियों के सपनों को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए लगातार ठोस कदम उठा रही है। छत्तीसगढ़ में खेल पुरस्कार समारोह फिर से शुरू हो गया है।''

मुख्यमंत्री ने कहा, ''ओलंपिक के लिए चयनित राज्य के खिलाड़ियों को 21 लाख रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा। ओलंपिक में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को क्रमशः तीन करोड़, दो करोड़ और एक करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि मिलेगी।''

मुंबई में आवासीय इमारत में आग, 40 लोगों को सुरक्षित निकाला गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मुंबई के अंधेरी पश्चिम इलाके में स्थित 23 मंजिला आवासीय इमारत में बृहस्पतिवार सुबह आग लगने के बाद लगभग 40 लोगों को वहां से सुरक्षित निकाला गया । अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि आग लगने की घटना वीरा देसाई रोड पर कंट्री क्लब के पास सोरेंटो टॉवर में सुबह करीब 10 बजे हुई, हालांकि इसमें कोई घायल नहीं हुआ।

नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि 16वीं मंजिल से सीढ़ियों के माध्यम से 30-40 लोगों को नीचे उतारा गया, जबकि एक महिला सहित तीन अन्य लोगों को 15वीं मंजिल पर स्थित एक फ्लैट से सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। उन्होंने बताया कि आग से 10वीं से 21वीं मंजिल के बीच स्थित विद्युत शाफ्ट में तार और अन्य उपकरण प्रभावित हुए, साथ ही विभिन्न मंजिलों पर 'डक्ट' के पास स्थित राउटर, जूतों की अल्मारियां और लकड़ी के फर्नीचर प्रभावित हुए। अधिकारी ने बताया कि दमकल विभाग ने कम से कम चार दमकल वाहन और अन्य साजो सामान की मदद से सुबह 11:37 बजे आग पर काबू पा लिया। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है।

सैन्यकर्मियों को इंस्टाग्राम के इस्तेमाल की अनुमति, पोस्ट और टिप्पणी करने की मनाही : सूत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय सेना ने अपने सोशल मीडिया दिशा-निर्देशों में बदलाव करते हुए सैन्यकर्मियों को इस शर्त के साथ इंस्टाग्राम पर अकाउंट बनाने की अनुमति दी है कि वे न तो कोई पोस्ट और न ही कोई टिप्पणी करेंगे। सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि इस कदम का उद्देश्य सैन्यकर्मियों को ''सूचना के डिजिटल युग'' के प्रति जागरूक करना और संवेदनशील सूचनाओं के किसी भी कारण से या अनजाने में सार्वजनिक होने से बचाना है।

रक्षा प्रतिष्ठान के एक सूत्र ने बताया कि दिशा-निर्देशों में संशोधन कुछ दिन पहले लागू किया गया था और यह भारतीय सेना की सभी रैंकों पर लागू होता है। सूत्र ने बताया, ''संशोधित दिशा-निर्देशों का मूल रूप से मतलब यह है कि सेना के जवान अब इंस्टाग्राम पर अकाउंट तो बना सकते हैं, लेकिन इस शर्त के साथ कि वे केवल पोस्ट देख सकते हैं और सोशल मीडिया मंच पर कोई सामग्री या टिप्पणी पोस्ट नहीं कर सकते।''

सूत्र ने बताया कि मूल रूप से, किसी भी प्रकार की ''उपयोगकर्ता-जनित सामग्री'' (यूजर जनरेटेड कंटेंट) की अनुमति नहीं है, इसलिए किसी पोस्ट को 'लाइक' करना भी उसी श्रेणी में आयेगा। पहले, सेना के जवान 'एक्स' पर 'साइन अप' करके उसका इस्तेमाल कर सकते थे, लेकिन इंस्टाग्राम पर नहीं।

वाजपेयी की राष्ट्रभक्ति और विचारधारा भारत का मार्गदर्शन करती रहेगी : शिवराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वेंकटपलेम (आंध्र प्रदेश)/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बृहस्पतिवार को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें एक असाधारण देशभक्त बताया। वह अटल-मोदी सुशासन यात्रा के समापन के अवसर पर बोल रहे थे, जिसे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आंध्र प्रदेश इकाई ने वाजपेयी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन आदर्शों को जोड़ने के लिए 11 दिसंबर को शुरू किया था। केंद्रीय मंत्री ने गुंटूर जिले के अटल स्मृति वनम में वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण भी किया।

अपने भाषण में चौहान ने कहा, ''वाजपेयी एक असाधारण देशभक्त थे जिनके भाषण हिमालय की तरह ऊंचे थे। उनका दृढ़ विश्वास था कि पार्टियां आती-जाती रहती हैं, लेकिन देशभक्ति हमेशा बनी रहती है।''

भारत छोड़ो आंदोलन में वाजपेयी की भूमिका को याद करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जवाहरलाल नेहरू ने भी एक बार उनकी असाधारण भाषण कला के कारण उनके प्रधानमंत्री बनने की भविष्यवाणी की थी। उन्होंने वाजपेयी को राष्ट्रीय राजमार्गों के माध्यम से भारत के बुनियादी ढांचे में क्रांति लाने, शिक्षा तक पहुंच का विस्तार करने और देश की विदेश नीति को नया रूप देने का श्रेय दिया। उन्होंने आंध्र प्रदेश के विकास में वाजपेयी और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के बीच सहयोग की ओर इशारा किया।

चौहान ने मोदी और नायडू के बीच तालमेल पर जोर देते हुए कहा, ''जब एक और एक मिलते हैं, तो यह दो नहीं, बल्कि ग्यारह होते हैं, जो पूरे देश एवं राज्य में तीव्र विकास को गति देते हैं।''

नायडू के अमरावती के दृष्टिकोण की सराहना करते हुए, उन्होंने 'क्वांटम कंप्यूटिंग' और कृत्रिम मेधा (एआई) के विकास पर राज्य के फोकस पर प्रकाश डाला। उन्होंने राज्य की परियोजनाओं के लिए केंद्र के पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

वाजपेयी का शासन और सर्वसम्मति की विरासत भारत का मार्गदर्शन करती रहेगी : नायडू

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने बृहस्पतिवार को कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के आदर्श, ईमानदारी और राष्ट्रीय दृष्टिकोण आज भी भारत के शासन और लोकतांत्रिक मूल्यों को प्रेरित करते हैं। नायडू ने कहा कि वाजपेयी ने समावेशी और आम सहमति पर आधारित नेतृत्व के माध्यम से भारत के सुरक्षा क्षेत्र को मजबूत किया और शासन को नई दिशा प्रदान की। नायडू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, अपने नाम की तरह ही वाजपेयी राष्ट्रसेवा के प्रति अटल संकल्प रखते थे। उन्होंने राष्ट्रीय हितों के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ राजनैतिक दूरदर्शिता, विनम्रता और काव्यात्मक संवेदनशीलता का संतुलन बनाए रखा। वाजपेयी के साथ अपने संबंध को याद करते हुए नायडू ने कहा कि उन्हें पूर्व प्रधानमंत्री के साथ मिलकर काम करने और उनके अनुभव तथा ज्ञान का लाभ उठाने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि वाजपेयी को उनकी ईमानदारी, संतुलित दृष्टिकोण और राष्ट्रीय हित को राजनीतिक विचारों से ऊपर रखने की क्षमता के लिए सभी दलों के बीच सम्मान प्राप्त था।

सीसीपीए ने भ्रामक विज्ञापनों के लिए 'विजन आईएएस' पर लगाया 11 लाख रुपए का जुर्माना

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने शैक्षणिक संस्थान 'विजन आईएएस' पर यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में अपने छात्रों के प्रदर्शन के बारे में भ्रामक विज्ञापन प्रकाशित करने के लिए 11 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। उपभोक्ता संरक्षण कानूनों के तहत बार-बार अपराध करने पर जुर्माना लगाने का यह पहला मामला है।

सीसीपीए ने पाया कि 'अजय विजन एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड' के रूप में आधिकारिक तौर पर पंजीकृत शैक्षणिक (कोचिंग) संस्थान ने जानबूझकर इस बारे में जानकारी छिपाई कि सफल उम्मीदवारों ने वास्तव में किन पाठ्यक्रमों में दाखिला लिया था, जिससे यह गलत धारणा बनी कि सभी 'टॉपर्स' ने लाखों रुपए के महंगे 'फाउंडेशन कोर्स' किए थे।

सीसीपीए की मुख्य आयुक्त एवं उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने कहा, '' दूसरी बार अपराध करने पर जुर्माना लगाने का यह पहला मामला है।'' उन्होंने कहा, '' नियामक हस्तक्षेप और आगाह किए जाने के बावजूद संस्थान ने अपने नए विज्ञापनों में भी इसी तरह के दावे करना जारी रखा जो उचित सावधानी और नियामक अनुपालन की कमी को दर्शाता है।''

उद्योगपति एसपी ओसवाल 'डिजिटल अरेस्ट' मामला: ईडी ने पांच राज्यों के 11 ठिकानों की ली तलाशी

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय ने लुधियाना के उद्योगपति एसपी ओसवाल को 'डिजिटल अरेस्ट' कर सात करोड़ रुपए की ठगी करने से जुड़े धनशोधन मामले की जांच के तहत पांच राज्यों में 11 स्थानों पर तलाशी ली। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। ईडी के प्रवक्ता ने एक बयान में बताया कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात और असम में 11 स्थानों पर सोमवार को तलाशी ली गई। बयान के मुताबिक, ''तलाशी के दौरान अपराध में संलिप्तता के संकेत करने वाले दस्तावेज और डिजिटल उपकरण जब्त किए गए।'' ईडी ने मंगलवार को रूमी कालिता को असम से गिरफ्तार किया था। एजेंसी ने यह कार्रवाई तब की जब उसके संज्ञान में आया कि कालिता ने कथित तौर पर इस मामले में धन हस्तांतरण के लिए अपने खाते के इस्तेमाल की पेशकश की थी।

अंतरिक्ष यात्रियों के लिए दंत स्वास्थ्य महत्वपूर्ण : शुक्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचने वाले पहले भारतीय शुभांशु शुक्ला ने कहा कि अंतरिक्ष यात्रियों के लिए दंत स्वास्थ्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि अंतरिक्ष यात्रा की तैयारी के दौरान उन्हें दो अक्ल दाढ़ निकलवानी पड़ी थी।

शुक्ला ने कहा कि हालांकि अंतरिक्ष यात्रियों को आपातकालीन चिकित्सा स्थितियों से निपटने का प्रशिक्षण दिया जाता है लेकिन वे अंतरिक्ष यान पर दांतों से जुड़ी सर्जरी नहीं कर सकते। उन्होंने बुधवार को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएसआई) में यह बात कही और इस दौरान ग्रुप कैप्टन प्रशांत नायर और ग्रुप कैप्टन अंगद प्रताप उनके साथ थे। ग्रुप कैप्टन प्रशांत नायर और ग्रुप कैप्टन अंगद प्रताप को देश के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन 'गगनयान' के लिए चुना गया है। नायर ने बताया कि भारतीय वायु सेना के परीक्षण पायलट अंतरिक्ष यात्राओं के लिए स्वाभाविक पसंद क्यों हैं।

वायु सेना के अधिकारी एवं टेस्ट पायलट, ग्रुप कैप्टन शुक्ला ने इस वर्ष की शुरुआत में इसरो व नासा द्वारा समर्थित और एक्सिओम स्पेस द्वारा संचालित वाणिज्यिक अंतरिक्ष यान एक्सिओम-4 मिशन के तहत अपनी पहली अंतरिक्ष यात्रा पूरी की। उन्होंने कहा, आपके दांतों का स्वास्थ्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। चयन प्रक्रिया के दौरान, कई (अंतरिक्ष यात्री बनने की इच्छा रखने वाले) लोगों ने अपने दांत निकलवाए।

शुक्ला ने कहा कि अंतरिक्ष में जाने के प्रशिक्षण के दौरान अक्ल दाढ़ निकाली जाती है। अंतरिक्ष यात्री ने कहा, मैंने अपनी दो अक्ल दाढ़ निकलवाई हैं। उन्होंने बताया कि नायर के तीन दांत निकलवाए गए हैं जबकि प्रताप के चार दाढ़ निकाले गए हैं। शुक्ला ने बताया कि गगनयान मिशन के लिए चुने गए भारतीय वायु सेना के कुशल पायलटों को मिशन के लिए मंजूरी मिलने से पहले कई मनोवैज्ञानिक और शारीरिक मूल्यांकन से गुजरना पड़ा।

ग्रुप कैप्टन नायर ने बताया कि 2019 के अंत तक उन्हें रूस भेजा गया, जहां रूसी चिकित्सकों ने भी उनका चिकित्सा मूल्यांकन किया। ग्रुप कैप्टन प्रताप ने अंतरिक्ष मिशन के लिए टेस्ट पायलटों के चयन के बारे में बताते हुए कहा कि जिन देशों के पास शक्तिशाली अंतरिक्ष कार्यक्रम हैं और जिन्होंने स्वतंत्र रूप से अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजा है उन सभी ने इसी तरह का रास्ता अपनाया है।

अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजने वाले देशों में अमेरिका, सोवियत संघ, रूस और चीन शामिल हैं। उन्होंने कहा कि टेस्ट पायलट स्वयं ही एक विशेष समूह होते हैं, जो इस क्षेत्र के सर्वश्रेष्ठ लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रताप ने बताया कि वायु सेना के हर साल 200 जवान टेस्ट पायलट बनने के लिए आवेदन करते हैं और उनमें से केवल पांच का चयन होता है। उन्होंने बताया कि गगनयान कार्यक्रम के लिए वायु सेना ने 75 टेस्ट पायलटों पर विचार किया, जिनमें से केवल चार का चयन हुआ।

अंतरिक्ष यात्री ने बताया, हमें वास्तव में अंतरिक्ष में भेजे जाने के लिए नहीं चुना गया बल्कि हमें जमीन पर रोजाना काम करने, डिजाइनरों के साथ मिलकर काम करने और उस सिस्टम को विकसित करने के लिए चुना गया है, जिसके लिए हमें औपचारिक प्रशिक्षण दिया गया है। प्रताप ने कहा, ''टेस्ट पायलटों का चयन करना और उन्हें सीधे अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल करना बहुत आसान है क्योंकि हमारा 70-80 प्रतिशत प्रशिक्षण अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण कार्यक्रम के समान है।

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स की आईपीओ लाने की फिलहाल कोई योजना नहीं

नई दिल्ली/भाषा। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स की फिलहाल भारत में अपने कारोबार को सूचीबद्ध करने की कोई योजना नहीं है। इसके बजाय कंपनी अपने उत्पादों में कृत्रिम मेधा (एआई) को अपनाने में तेजी लाने और सबसे महत्वपूर्ण विकास बाजारों में से एक में बिक्री बढ़ाने के लिए अपनी उपभोक्ता वित्त इकाई का विस्तार करने पर ध्यान देगी।

सैमसंग के दक्षिण पश्चिम एशिया के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जे बी पार्क ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ विशेष बातचीत में कहा कि दक्षिण कोरिया की कंपनी भारत में अपने विनिर्माण विस्तार को और मजबूत करना चाहती है। उसने भारत में मोबाइल फोन 'डिस्प्ले' के विनिर्माण के लिए कल-पुर्जों की खरीद को लेकर उत्पाद से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत आवेदन किया है। सैमसंग का दुनिया का सबसे बड़ा स्मार्टफोन विनिर्माण संयंत्र नोएडा में स्थित है। यह हाल के वर्षों में प्रमुख निर्यात केंद्र के रूप में विकसित हुआ है। आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की संभावना के

बारे में पूछे जाने पर पार्क ने कहा, '' नहीं, फिलहाल हमारी ऐसी कोई योजना नहीं है। '' हुंदै मोटर इंडिया और एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी अन्य दक्षिण कोरियाई कंपनियों ने पूंजी जुटाने और स्थानीय स्तर पर अपनी उपस्थिति मजबूत करने के लिए आईपीओ का सहारा लिया। वहीं सैमसंग बाजार से वित्तपोषित विस्तार की बजाय आंतरिक विकास को प्राथमिकता दे रही है। यह रणनीति, प्रतिस्पर्धी उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार में उत्पादों को अलग पहचान दिलाने के लिए एआई का लाभ उठाने और वैश्विक मांग में नरमी के बीच बिक्री बढ़ाने के लिए वित्त पोषण समाधानों का उपयोग करने के दोहरे उद्देश्य को दर्शाती है।

वाजपेयी ने राष्ट्रीय एकता और लोकतांत्रिक मूल्यों की दृढ़तापूर्वक रक्षा की : तमिलनाडु भाजपा प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु भाजपा प्रमुख नैनार नागेंद्रन ने बृहस्पतिवार को कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कठिन समय में भी संतुलन और करुणा खोए बिना राष्ट्रीय एकता और लोकतांत्रिक मूल्यों की दृढ़ता से रक्षा की।

भाजपा के दिग्गज नेता की जन्म शताब्दी पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नागेंद्रन ने कहा कि उनके नेतृत्व में भारतीय राजनीति ने नई ऊंचाइयों को छुआ। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री ने अपने कार्यों से यह सिद्ध किया कि शासन के प्रति सम्मान, सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी और राष्ट्रीय हित राजनीति के केंद्र में होने चाहिए।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, अटल बिहारी वाजपेयी एक ऐसे नेता थे जिन्होंने कठिन क्षणों में भी संतुलन और करुणा खोए बिना राष्ट्रीय एकता और लोकतांत्रिक मूल्यों की दृढ़ता से रक्षा की। उन्होंने कहा, आज भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती है। उनकी राजनीतिक शैली, जिसमें गरिमा और मानवता का संगम था, यह एक दुर्लभ गुण है जो उनके विरोधियों को भी उनका सम्मान करने के लिए प्रेरित करता है। तमिलनाडु भाजपा समन्वय समिति के संयोजक एच राजा ने वाजपेयी को नए भारत का निर्माता बताते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री कश्मीर से कन्याकुमारी तक स्वर्ण चतुर्भुज सड़क परियोजना के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके थे और उन्होंने अंत्योदय अन्न योजना लागू की थी।

अलाप्पुझा में क्रिसमस 'कैरल' गायकों के दो समूहों के बीच झड़प, कई घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलाप्पुझा (केरल)/भाषा। केरल के तटीय जिले अलाप्पुझा में क्रिसमस 'कैरल' गायकों के दो समूहों के बीच झड़प हो गई, जिसमें कई लोग घायल हो गए। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

क्रिसमस 'कैरल' ईसा मसीह के जन्म की खुशी में गाए जाने वाले पारंपरिक गीत या भजन हैं।

पुलिस ने बताया कि यह घटना नूरानाड इलाके में बुधवार रात करीब 11:30 बजे हुई, जब क्रिसमस की पूर्व संध्या पर 'कैरल' गायकों के समूहों के बीच हुआ विवाद मारपीट में बदल गया।

पुलिस के अनुसार, घर-घर जाकर गाए जाने वाले 'कैरल' (क्रिसमस गीत) के दौरान दोनों पक्षों के बीच विवाद शुरू हो गया, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। मीडिया में आई कुछ खबरों में घायलों में महिलाओं और बच्चों के भी शामिल होने की बात कही गई है।

इस बारे में पूछे जाने पर पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि घायल लोग इलाज के लिए अस्पतालों में गए थे और विस्तृत जानकारी बाद में मिलने की उम्मीद है। पुलिस ने बताया कि घायलों की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

विजय ने साधा निशाना, द्रमुक पर तमिलनाडु में 'कमल' खिलाने का लगाया आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) के संस्थापक और अभिनेता विजय ने सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कझगम (द्रमुक) पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए दावा किया है कि उनकी पार्टी की सफल बैठकों से राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी घबरा गए हैं और अब उनका असली चेहरा सामने आने लगा है। अपनी नयी पार्टी के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए विजय ने द्रमुक पर तमिलनाडु में 'कमल' (भाजपा का प्रतीक) को खिलने का अवसर देने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी दावा किया कि द्रमुक ने साझा न्यूनतम एजेंडे के नाम पर लोगों को भ्रमित किया था।

विजय ने एक बयान में कहा, ''हमें नीचे गिराने की असफल साजिश के बाद, हमने कांचीपुरम, पुडुचेरी और ईरोड में तीन सफल जनसभाएं कीं। जो लोग हमें खत्म करना चाहते थे, वे हमारे साथ खड़े लोगों के हुजूम को देखकर घबरा गए हैं। उन्होंने द्रमुक के मुखपत्र 'मुरासोली' में छपे एक लेख पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि उस संपादकीय के जरिए टीवीके को बदनाम करने और उसकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने की कोशिश की गई है। 24 दिसंबर को जारी एक बयान में अभिनेता ने कहा, 'वे अब बेनकाब होने लगे हैं। उनके दल के नेता और मुख्यमंत्री (एम के स्टालिन) यह भूलकर दूसरों पर पत्थर फेंक रहे हैं कि वे खुद शीशे के घर में खड़े हैं।'

द्रमुक के पुराने गठबंधन पर प्रहार करते हुए विजय ने कहा, द्रमुक ने कथित साझा न्यूनतम एजेंडे से जनता को भ्रमित किया और 1999 से 2003 तक (वाजपेयी सरकार के दौरान) सत्ता की गुलाम बनी रही। उन्होंने ही तमिलनाडु में कमल को खिलने का मौका दिया। उन्होंने टीवीके कार्यकर्ताओं से द्रमुक की बयानबाजी को नजरअंदाज करने और जनता के साथ जुड़ने का आह्वान किया। विजय ने कहा कि लोगों को यह अहसास कराना होगा कि टीवीके ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो उनके हितों के लिए संघर्ष करने के योग्य है।

अभिनेत्री यौन शोषण मामला : दोषी व्यक्ति ने फैसले के खिलाफ केरल उच्च न्यायालय में अपील की

कोच्चि/भाषा। केरल में 2017 में अभिनेत्री के साथ यौन उत्पीड़न के मामले में दोषी ठहराए गए एक व्यक्ति ने निचली अदालत के फैसले को चुनौती देते हुए केरल उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है, जिसमें उसने दलील दी है कि अदालत अपराध में उसकी संलिप्तता न होने के सबूतों पर ठीक से विचार करने में विफल रही। केरल की एक अदालत ने हाल में इस मामले में मलयालम अभिनेता दिलीप को बरी किया जबकि छह अन्य को दोषी ठहराया।

दोषी ठहराए गए मार्टिन ने अपनी दोषसिद्धि और सजा को रद्द करने की अपील की है। अपनी अपील में मार्टिन ने इस दावे को चुनौती दी कि उसने फर्जी दुर्घटना की और पीड़िता को अगवा करने में मदद की। साथ ही कथित तौर पर अपने मोबाइल फोन के सिम कार्ड को नष्ट करके सबूत मिटा दिए। मार्टिन ने दलील दी कि अभियोजन पक्ष के प्रमुख गवाहों ने उनके और मामले में अन्य आरोपियों के बीच किसी भी प्रकार के संबंध, पूर्व संपर्क या साजिश को स्थापित नहीं किया।

मुरलीधरन ने केरल मंत्रिमंडल के 'नेटिविटी कार्ड' संबंधी फैसले की वैधता पर सवाल उठाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। भाजपा के वरिष्ठ नेता वी मुरलीधरन ने बृहस्पतिवार को केरल मंत्रिमंडल द्वारा स्थायी एवं फोटो युक्त 'नेटिविटी कार्ड' जारी करने के निर्णय की कानूनी वैधता पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि यह कदम अनावश्यक और ''राजनीति से प्रेरित'' है।

बुधवार को मंत्रिमंडल द्वारा दी गई सैद्धांतिक मंजूरी पर प्रतिक्रिया देते हुए, पूर्व केंद्रीय मंत्री मुरलीधरन ने कहा कि नागरिकता निर्धारित करने का अधिकार केंद्र सरकार के पास है। उन्होंने पूछा कि जब आधार कार्ड में पहले से ही व्यापक व्यक्तिगत जानकारी मौजूद है, तो राज्य को एक और पहचान पत्र लाने की क्या आवश्यकता है। भाजपा नेता ने कहा, ''इस नेटिविटी कार्ड के पीछे रहस्य छिपा है।'' उन्होंने कहा कि इस कदम से गंभीर कानूनी और संवैधानिक प्रश्न उठते हैं। मुरलीधरन ने केरल के मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन और उनके सहयोगियों पर इस परियोजना के माध्यम से चुनाव के लिए धन प्राप्त करने का आरोप लगाया।

मुरलीधरन ने कहा कि वामपंथी सरकार का इतिहास ऐसे फैसले लेने का रहा है जिनसे सरकारी खजाने पर बोझ पड़ता है, जबकि आम लोगों को कोई वास्तविक लाभ नहीं मिलता। उन्होंने सरकार से करदाताओं के धन के दुरुपयोग से जुड़े फैसलों को वापस लेने का आग्रह किया। मंत्रिमंडल के फैसले के बाद मुख्यमंत्री विजयन ने कहा था कि नया कार्ड केरल में लोगों को आसानी से अपना जन्म या निवास साबित करने में मदद करेगा।

केरल में चुनाव के चलते प्रधानमंत्री गिरिजाघर गए, लेकिन 'गुंडों' को नहीं रोक पा रहे : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने देश में कुछ स्थानों पर क्रिसमस से जुड़े कार्यक्रमों में कथित तौर पर व्यवधान डालने की घटनाओं की हवाला देते हुए बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी केरल में विधानसभा चुनाव होने के कारण आज सुबह गिरजाघर चले गए, लेकिन ''अपने गुंडों'' को नहीं रोक पा रहे हैं। पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यह दावा भी किया कि अराजकता फैलाने वाले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा लगाये जहरीले बीजों से निकली ''खरपतवार'' हैं जिनका हिंदू धर्म और भारतीय सभ्यता से कोई संबंध नहीं है।

प्रधानमंत्री मोदी ने बृहस्पतिवार को दिल्ली के 'कैथेड्रल चर्च ऑफ द रिडेम्प्शन' में क्रिसमस की प्रार्थना सभा में हिस्सा लिया। इस अवसर पर दिल्ली और उत्तर भारत से बड़ी संख्या में आए ईसाई श्रद्धालु गिरजाघर में उपस्थित थे। इस

प्रार्थना सभा में प्रार्थनाएं, कैरल (गीत), भजन और दिल्ली के बिशप राइट रेवरेंड डॉ. पॉल स्वरूप द्वारा प्रधानमंत्री के लिए एक विशेष प्रार्थना शामिल थी। खेड़ा ने एक वीडियो जारी कर कहा, ''राम नवमी और हनुमान जयंती पर ये लोग मस्जिदों के बाहर जा कर डीजे बजाते हैं, उकसाने वाले गाने बजाते हैं। क्रिसमस पर ये लोग चर्च के बाहर हनुमान चालीसा पढ़ते हैं, सैंटा क्लॉज की टोपी खींचते हैं, तोड़फोड़ करते हैं।'' उन्होंने दावा किया, ''ये संघ द्वारा लगाये जहरीले बीजों से निकली खरपतवार है। ये गुंडे ना हिंदू धर्म के हो सकते हैं और ना ही भारतीय सभ्यता से इनका कोई नाता हो सकता है।'' कांग्रेस नेता ने कहा कि इनकी हरकतों से दुनिया भर में भारत की बदनामी हो रही है। खेड़ा ने दावा किया, ''प्रधानमंत्री सुबह-सुबह खुद गिरजाघर चले गए क्योंकि केरल में चुनाव है। लेकिन अपने गुंडो को नहीं रोक पा रहे हैं या रोकना नहीं चाहते हैं।''

उनका कहना था, ''(हम) दुनिया से कहना चाहते हैं कि इनको (उपद्रव करने वालों) देखकर यह धारणा मत बनाइए कि हिंदू ऐसे होते हैं या भारतवासी ऐसे होते हैं। ये लोग बहुत कम संख्या में हैं जो प्रधानमंत्री के गुंडे हैं। इनसे निपटना हम जानते हैं।''

केरल में अगले साल मार्च-अप्रैल में विधानसभा चुनाव संभावित है।

वर्ष 2025 कर्नाटक के लिए उपलब्धियों, त्रासदियों और नेतृत्व संघर्ष का रहा साल

बेंगलूरु/भाषा। वर्ष 2025 के आखिरी महीनों में कर्नाटक की राजनीति में मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के बीच नेतृत्व को लेकर चला संघर्ष तथा उसका सत्तारूढ़ कांग्रेस पर असर हावी रहा। इसी साल चार जून को एक बड़ी त्रासदी भी हुई, जब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) की पहली आईपीएल जीत का जश्न मना रहे क्रिकेट प्रेमी एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ में का शिकार हुए, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए।

राज्य तब भी सुर्खियों में रहा, जब साहित्यकार बानू मुश्ताक और दीपा भस्थी को मुश्ताक की पुस्तक 'हार्ट लैम्प' के लिए प्रतिष्ठित बुकर पुरस्कार मिला। मुश्ताक राजनीतिक विवाद में भी घिरीं, जब विपक्षी भाजपा ने सरकार के मैसूर दशहरा उद्घाटन के लिए उन्हें आमंत्रित किए जाने का विरोध किया तथा उनसे कन्नड़ भाषा और देवी चामुंडेश्वरी पर अपना रुख स्पष्ट करने को कहा।

यह मामला उच्चतम न्यायालय पहुंचा, जिसने इस वर्ष मैसूर दशहरा उद्घाटन के लिए अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार विजेता को आमंत्रित करने के कर्नाटक सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी।

कांग्रेस में नेतृत्व संकट लगातार रहा। सिद्धरमैया ने स्पष्ट किया कि वह पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे, वहीं शिवकुमार समर्थकों ने 20 नवंबर तक, जब सरकार का कार्यकाल आधा पूरा हुआ, तो नेतृत्व परिवर्तन पर जोर दिया। दोनों नेताओं के समर्थकों के सार्वजनिक बयानों से स्थिति और उलझ गई, जिसके बाद पार्टी ने गतिरोध तोड़ने के लिए 'जलपान कूटनीति' का सहारा लिया।

चश्मदीदों ने हादसे के बाद का मंजर बयां किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्रदुर्गा। कर्नाटक के चित्रदुर्गा में बुधवार देर रात को हुए बस हादसे में जीवित बचे व्यक्ति ने इस पूरे घटनाक्रम का आंखो देखा हाल सुनाते हुए कहा, ''पूरी बस में आग लग चुकी थी और दरवाजा खोला नहीं जा सकता था।'' आदित्य ने अफरा-तफरी के उस दृश्य को याद किया जब आग की लपटों ने वाहन को अपनी चपेट में ले लिया और दरवाजे नहीं खुल पा रहे थे। एक तेज रफ्तार ट्रक से टक्कर के बाद स्लीपर बस में आग लग जाने से कम से कम पांच लोगों की जान चली गई थी। चश्मदीद ने बताया, ''टक्कर इतनी जोरदार थी कि मैं गिर पड़ा और कुछ ही मिनटों में आग तेजी से फैलने लगी, लोग मदद के लिए चिल्ला रहे थे।''

दुर्घटना में बचे आदित्य ने यहां पत्रकारों को बताया, ''हमने शीशा तोड़ दिया और भागने की कोशिश की। उस वक्त लोग चीख रहे थे। कुछ लोगों ने दूसरों को बचाने की कोशिश की, लेकिन आग तेजी से फैल रही थी, जिससे बचाव कार्य मुश्किल हो रहा था।'' पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बुधवार देर रात करीब दो बजे हिरियूर के पास एक तेज रफ्तार कंटेनर ट्रक ने एक निजी 'लक्जरी स्लीपर' बस को टक्कर मार दी, जिससे बस में आग लग गई और कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई।

बेंगलूरु से गोकर्ण जा रही बस में 32 लोग थे और कंटेनर ट्रक डिवाइडर को पार कर सामने से आ रही बस से टकरा गया। एक व्यक्ति ने खुद को घटना का प्रत्यक्षदर्शी होने का दावा करते हुए बताया कि कैसे ट्रक चालक ने कथित तौर पर नियंत्रण खो दिया और बस को टक्कर मार दी। उन्होंने कहा, ''ट्रक चालक ने नियंत्रण खो दिया, शायद नींद के कारण। विपरीत दिशा से दो बसें आ रही थीं। ट्रक ने एक बस को टक्कर मार दी (जिसमें आग लग गई), स्कूली बच्चों से भरी दूसरी बस तुरंत दूसरी तरफ मुड़ गई। अगर ऐसा नहीं होता तो उस बस में भी आग लग जाती।'' प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि टैंकर से डीजल के रिसाव के कारण बस में आग लगी। उन्होंने कहा, ''अगर रिसाव नहीं होता तो आग नहीं लगती।'' उन्होंने उस भावुक दृश्य को याद किया जिसमें महिला अपने बच्चे को बचाने के लिए जलती हुई बस में घुसने की कोशिश कर रही थी, जो अंदर फंसा हुआ था। व्यक्ति ने बताया, ''बस से उतरने में कामयाब हुए एक दंपति अपने बच्चे को ढूंढ रहे थे। मां जलती हुई बस में घुसने की कोशिश कर रही थी और बच्चे के लिए चिल्ला रही थी। हमने उसे रोका और थोड़ा पानी दिया। बच्चा बच नहीं पाया।'' स्कूली बच्चों को लेकर एक स्कूल बस बेंगलूरु से डांडेली जा रही थी। यह बस दुर्घटनाग्रस्त बस के पीछे चल रही थी। बस के चालक ने बताया कि ''ट्रक डिवाइडर को पार कर हमारी ओर सड़क पर आ गया था।'' उन्होंने कहा, ''वह दृश्य अब भी मेरी आंखों के सामने है, जिसे मैं भूल नहीं पा रहा हूं।'' उन्होंने बताया, ''ट्रक ने बस के डीजल टैंक को सीधे टक्कर मार दी। इसलिए मैंने तुरंत अपनी बस की गति धीमी कर दी और उसे बाईं ओर मोड़ दिया... डीजल रिसाव के कारण उस बस में आग लग गई। लोगों के चीखने की आवाज सुनकर हमने यथासंभव अधिक से अधिक लोगों को बचाने की कोशिश की।

चालक ने दावा किया, ''मैंने खुद सात लोगों को बाहर निकाला और उनकी जान बचाई। फिर एक तरह का धमाका हुआ जिसके बाद मैं पास नहीं जा सका... एक मां अपने बच्चे के लिए जोर जोर से रो रही थी, लेकिन मैं कुछ नहीं कर सका।'' उस समय घटनास्थल से गुजर रहे एक अन्य ट्रक के चालक ने बताया कि कैसे बस पूरी तरह से आग की चपेट में आ गई थी और लोग मदद के लिए चीख पुकार मचा रहे थे। उन्होंने कहा, ''हादसा देर रात करीब दो बजकर पांच मिनट पर हुआ और हम कुछ ही मिनटों में यहां पहुंच गए। तब तक बस पूरी तरह आग की चपेट में आ चुकी थी। आग इतनी भीषण थी कि हम बस के पास नहीं जा सके। एक महिला और एक पुरुष अपने बच्चे के लिए रो रहे थे। कुछ अन्य लोग भी चिल्ला रहे थे। ट्रक चालक का शरीर बुरी तरह झुलस चुका था और हमने शव को बाहर निकाला।'' एक अन्य प्रत्यक्षदर्शी ने जलती हुई बस में फंसे यात्रियों द्वारा अपनी जान बचाने के लिए वाहन से कूदने के दृश्यों को बयां किया। उन्होंने कहा, ''हमने कुछ लोगों को आग से धू-धू करती बस से कूदते देखा। चालक और खलासी बच गए... हमने लोगों को, खासकर बच्चे को, बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन हम नाकाम रहे।''

खरगे ने कर्नाटक में बस हादसे में लोगों की मौत पर दुख जताया

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बृहस्पतिवार को कर्नाटक के चित्रदुर्ग में हुई बस दुर्घटना में कई लोगों की मौत पर दुख जताया और कहा कि राज्य सरकार प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करेगी। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, चित्रदुर्ग में बेंगलूरु-शिवमोग्गा राजमार्ग पर दुखद बस दुर्घटना से गहरा दुख हुआ, जिसमें कई यात्रियों की जान चली गई। मेरी संवेदना शोक संतप्त परिवारों के साथ है। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना करता हूं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने आश्वासन दिया है कि राज्य सरकार और संबंधित अधिकारी पीड़ितों को राहत, चिकित्सा सहायता और त्वरित मुआवजा प्रदान करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रहे हैं। उन्होंने कहा, हम प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता देंगे। कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार है।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने सड़क दुर्घटनाओं में लोगों की मौत पर शोक जताया

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कर्नाटक के चित्रदुर्गा और तमिलनाडु के कुड्डालोर में सड़क हादसों में लोगों की मौत पर बृहस्पतिवार को शोक व्यक्त किया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। मुर्मू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, कर्नाटक के चित्रदुर्गा में बस में आग लगने की घटना से मैं अत्यंत व्यथित हूं, जिसमें कई लोगों की जान चली गई। मेरी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूं।'' उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने दोनों हादसों में हुई जानमाल की हानि पर दुख व्यक्त किया। प्रधानमंत्री मोदी ने भी चित्रदुर्ग में हुए सड़क हादसे में लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया और मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने पोस्ट में कहा, ''कर्नाटक के चित्रदुर्गा जिले में दुर्घटना में लोगों की मौत से गहरा दुःख हुआ है। प्रियजनों को खोने वालों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रत्येक मृतक के परिजनों को पीएमएनआरएफ से दो-दो लाख रुपये, हादसे में घायल हुए प्रत्येक व्यक्ति को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।''

चित्रदुर्गा बस दुर्घटना मामले की जांच कराई जाएगी : मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने चित्रदुर्गा में बस दुर्घटना में लोगों की मौत पर बृहस्पतिवार को गहरा दुःख व्यक्त किया और कहा कि घटना की उचित जांच कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि दर्दनाक दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिवारों को पांच-पांच लाख रुपये और घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। सिद्दरामय्या ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''यह बेहद दुखद है कि क्रिसमस की छुट्टियों के लिए घर जा रहे लोगों की यात्रा इस तरह की त्रासदी के साथ समाप्त हुई। दुर्घटना की जांच की जाएगी और कारणों का पता लगाया जाएगा। मृतकों की आत्मा को शांति मिले ऐसी कामना करता हूं। मैं दुख की इस घड़ी में शोक संतप्त परिवारों के साथ हूं।''

सवारी डिब्बा कारखाना
चेन्नै - 600 038

निम्नलिखित ई-निविदाएं आईआरईपीएस वेबसाइट पर प्रकाशित की गई हैं । फर्मों से अनुरोध है कि वे www.ireps.gov.in पर लॉग इन करें और इन निविदाओं के लिए बोली लगाएं । इस निविदा के लिए मैनुअल कोटेशन पर विचार नहीं किया जाएगा ।

क्र. सं.	खुली निविदा सं.	कार्य का संक्षिप्त विवरण	लगभग मूल्य रुपये में	निविदा की तारीख, समय
1	2025377 212065	(A) एलएचबी स्टोर शेड के पूर्व और पश्चिम की ओर प्रस्तावित लीन- टू रुफ (B) फर्निशिंग फैक्ट्री ओटेरी नाले से बैक फ्लो को रोकने के लिए और शेल फैक्ट्री में आईसीएफ में ऐंसली ड्रेन के लिए स्लुइस गेट की व्यवस्था ।	रु. 1.38 करोड़	19.01.2026 @10.30 बजे

पन का हिंदी अनुवाद वेबसाइट www.icf.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है ।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि **जल्लीकट्टू मक्कल काची** नाम से एक राजनीतिक पार्टी का पंजीकरण प्रस्तावित है।

पार्टी का कार्यालय पोस्ट बॉक्स नं. 10, एस-10, सिडको इंडस्ट्रियल एस्टेट, सेम्मंडलम, कुड्डालोर - 607006 पर स्थित है।

इस पार्टी ने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29ए के तहत राजनीतिक दल के तौर पर पंजीकरण के लिए भारत के निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली को आवेदन प्रस्तुत किया है।

पार्टी के पदाधिकारियों के नाम/पते इस प्रकार हैं:

अध्यक्ष: एस.वी. राजाराजन, नं. 69, कावेरी नगर, कोंडूर, कुड्डालोर - 6.

सचिव: एस. मगेश बाबू, नं. 1/231, फर्स्ट ब्लॉक, मोगाप्पैर वेस्ट, तिरुवल्लूर - 37.

कोषाध्यक्ष: आर. भवानी, नं. 90, तिरुवल्लुवर स्ट्रीट, सेम्मंडलम, कुड्डालोर - 6.

अक्षर किसी को जल्लीकट्टू मक्कल काची के पंजीकरण पर कोई आपत्ति है, तो वे इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के अंदर अपनी आपत्ति और उसके कारण सचिव (राजनीतिक दल) भारत का निर्वाचन आयोग, निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली - 110001 को भेज सकते हैं।

राज्य सरकार ने रोजगार, कौशल और उद्यमिता को दी प्राथमिकता : शर्मा

मुख्यमंत्री ने चयनित युवाओं को सौंपे नियुक्ति पत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार युवाओं के लिए पर्यटन, सौर ऊर्जा, उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पांच साल में 4 लाख सरकारी एवं 6 लाख निजी रोजगार के अवसर सृजित करने के क्रम में अब तक लगभग 92 हजार सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं और 1.53 लाख से अधिक पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं। वहीं, निजी क्षेत्र में भी 2 लाख से अधिक रोजगार के अवसर प्रदान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवा नीति भी जल्द लाएगी। शर्मा राज्य सरकार के दो वर्ष पूरे होने के अवसर पर गुरुवार को कॉमर्स कॉलेज में राज्य स्तरीय रोजगार मेले को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ये रोजगार मेला सरकार की उस सोच का प्रतीक है जिसमें राज्य सरकार ने रोजगार, कौशल और उद्यमिता को प्राथमिकता दी है। इसमें निजी क्षेत्र के 20 से अधिक सेक्टर्स से जुड़े 100 से अधिक नियोक्ता भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे रोजगार मेले हर जिले में निरंतर लगते रहेंगे और स्थानीय स्तर पर निरंतर रोजगार मिलता रहेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने दो वर्ष के कार्यकाल में एक भी पेपरलीक नहीं हुआ। वहीं, पूर्ववर्ती सरकार के समय में प्रदेश के युवाओं को पेपरलीक के कारण असहनीय पीड़ा झेलनी पड़ी। उन्होंने कहा कि 1893 में स्वामी विवेकानंद ने युवाओं से कहा था 'उठो, जागो और तब तक नहीं रूको, जब तक लक्ष्य की प्राप्ति ना हो जाए'। उन्होंने कहा था 21वीं सदी भारत की होगी। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्वगुरू बनने की ओर तेजी से अग्रसर है।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने एक रोडमैप बनाकर गत दो वर्षों में पानी, बिजली, उद्योग, रोजगार सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्राथमिकता के साथ कार्य किया। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू किए गए, जिनमें से 8 लाख करोड़ रुपये के एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुकी है। इससे युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने लगभग 410 रोजगार सहायता शिविरों का आयोजन कर 1 लाख 11 हजार से अधिक बेरोजगार अभ्यर्थियों का रोजगार के लिए चयन किया। उन्होंने कहा कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें आर्थिक संबल प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री युवा संबल योजना संचालित की जा रही है। इस योजना से 4 लाख से अधिक युवा लाभान्वित हुए हैं, और 1 हजार 156 करोड़ की राशि बेरोजगारी भत्ते के रूप में वितरित की जा चुकी है।

कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि मरूधरा की मिट्टी के युवा मेहनती और अनुशासित हैं। निजी क्षेत्र की कंपनियां यहां के युवाओं को रोजगार का अवसर दे रही हैं। इसी कड़ी में यह रोजगार मेला आत्मनिर्भरता का द्वार है। प्रदेश में रोजगार शिविरों के माध्यम से निजी क्षेत्र में युवाओं को नौकरी मिली है। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट में 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हुए। जिनमें से 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि के एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुकी है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने निजी कंपनी में रोजगार प्राप्त करने वाले चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। उन्होंने विभिन्न कंपनियों की स्टॉल का अवलोकन किया और जानकारी ली। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेमचंद बैरवा, विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष रामगोपाल सुथार सहित बड़ी संख्या में युवा एवं निजी नियोक्ता उपस्थित रहे।

अरावली मुद्दे को लेकर जयपुर में प्रदर्शन

जयपुर। अरावली की नई परिभाषा के मुद्दे पर जयपुर के सेंट्रल पार्क में बृहस्पतिवार को बड़ी संख्या में लोगों ने मौन प्रदर्शन किया। 'भारत सेवा संस्थान' के सचिव और राज्य के पूर्व महाधिवक्ता जी.एस. बापना ने इस प्रदर्शन का नेतृत्व किया। हाथों में तख्तियां लिए लोगों ने इस बात पर चिंता जताई कि नई परिभाषा से अरावली का 90 प्रतिशत हिस्सा कानूनी संरक्षण से बाहर हो जाएगा। पार्क में घूमने आए लोग भी इस प्रदर्शन में शामिल हुए। बापना ने कहा कि अरावली एक महत्वपूर्ण पर्वतमाला है, जिस पर जल, वन, वन्यजीव, पर्यटन स्थल, मंदिर, किले और महल निर्भर करते हैं। उन्होंने कहा कि इस पर्वतमाला का संरक्षण जरूरी है।

चूरा पोस्त से भरी कार पैसे लेकर छोड़ने का आरोप, चार पुलिसकर्मी बर्खास्त

जयपुर। पाली जिले में चूरा पोस्त से भरी कार को दो लाख रुपये लेकर छोड़ने के मामले में चार पुलिसकर्मियों को बर्खास्त कर दिया गया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पाली के जिला पुलिस अधीक्षक आदर्श सिधू ने बताया कि देसूरी थाने के हेड कांस्टेबल सोहनलाल, कांस्टेबल बंशीलाल, सादड़ी थाने के हेड कांस्टेबल रामकेश मीणा और कांस्टेबल नच्छूराम को बर्खास्त किया गया है। गौरतलब है कि 18 दिसंबर को चारों ने बूसी-सोमेसर के बीच चूरा पोस्त से भरी कार को रोका था। बाद में कथित तौर पर दो लाख रुपये में आरोपी को छोड़ दिया। कुछ देर बाद सदर थाना पुलिस ने पाली के पणिहारी चौराहे पर आरोपी को फिर पकड़ लिया।आरोपी धीरेन्द्र ने पुलिस को बताया कि कुछ देर पहले ही पुलिसकर्मियों को दो लाख रुपये देने पर उसे छोड़ा था। पुलिसकर्मियों ने यह जानकारी पुलिस अधीक्षक को दी। पुलिस अधीक्षक ने जांच करवाने के बाद चारों पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया। साथ ही आरोपी पुलिसकर्मियों के खिलाफ सदर थाने में मामला भी दर्ज करवाया। अब चारों पुलिसकर्मियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है।

जयपुर संभाग में शीतलहर, कई जगह कोहरा

जयपुर। राजस्थान में सर्दी ने जोर पकड़ लिया है जहां बुधवार रात जयपुर संभाग में शीतलहर दर्ज की गई व बृहस्पतिवार सुबह कई जगह कोहरा छाया रहा। मौसम केंद्र जयपुर ने बृहस्पतिवार सुबह बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में मौसम शुष्क रहा। इस दौरान राज्य के जयपुर संभाग में शीत लहर दर्ज की गई वहीं कोटा संभाग सहित कई और जगह कोहरा छाया रहा। इस दौरान न्यूनतम तापमान फतेहपुर सीकर में 1.6 डिग्री दर्ज किया गया। इसी तरह न्यूनतम तापमान नागौर में 1.9 डिग्री, सीकर में 3.0 डिग्री, लूणकरणसर में 3.5 डिग्री, दौसा में 4.4 डिग्री, चूरू में 4.9 डिग्री और अलवर में 5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सर्द हवाओं के कारण राजधानी जयपुर में न्यूनतम तापमान गिरकर 8.8 डिग्री सेल्सियस पर आ गया है। सर्दी के जोर पकड़ने से जनजीवन भी प्रभावित हुआ है। लोग सर्दी से बचाव के लिए अलाव तापते नजर आए। मौसम विभाग के अनुसार, अभी शीतलहर जारी रहेगी और अगले कुछ दिनों तक कई जगहों पर रात का तापमान सामान्य से कम रहने की उम्मीद है।

पांच आईएएस के तबादले, महाजन होंगे जेडीए आयुक्त

जयपुर। राजस्थान सरकार ने बुधवार को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के पांच अधिकारियों के तबादले और तैनाती संबंधी आदेश जारी किए। इसके तहत वरिष्ठ आईएएस सिद्धार्थ महाजन को जयपुर विकास प्राधिकरण के आयुक्त (जेडीसी) पद पर नियुक्त किया गया है। कार्मिक विभाग ने इस बारे में आदेश जारी किया। इसके तहत मौजूदा जेडीसी आईएएस आनंदी का तबादला रजिस्ट्रार (सहकारिता) के पद पर किया गया है। उल्लेखनीय है कि आईएएस महाजन केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटने के बाद पदस्थापन की प्रतीक्षा में चल रहे थे। इसी तरह जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) के अतिरिक्त आयुक्त राकेश शर्मा का तबादला सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के आयुक्त और संयुक्त सचिव के पद पर किया गया है। आदेश के अनुसार सहकारिता विभाग की प्रमुख सचिव और सहकारिता रजिस्ट्रार मंजू राजपाल के पास अब सहकारिता विभाग नहीं रहेगा। वहीं, देवस्थान विभाग के आयुक्त बाबूलाल गोयल का तबादला राज्य मानवाधिकार आयोग में सचिव के पद पर किया गया है।

अरावली पर्वतमाला की सुरक्षा को लेकर माउंट आबू से पदयात्रा शुरू

जयपुर। राजस्थान में अरावली पर्वतमाला की सुरक्षा के लिए बुधवार को माउंट आबू से आंदोलन शुरू किया गया। युवा नेता निर्मल चौधरी ने पर्यावरण संरक्षण के बारे में लोगों में जागरुकता पैदा करने के लिए इस लगभग 1,000 किलोमीटर की पदयात्रा को हरी झंडी दिखाई। 'अरावली बचाओ आंदोलन' चौधरी द्वारा अरावली पर्वत श्रृंखला के सबसे ऊंचे शहर माउंट आबू में अर्बुदा देवी मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद शुरू हुआ। उन्होंने कहा कि अरावली सिर्फ एक पर्वत श्रृंखला नहीं है, बल्कि राजस्थान के पर्यावरण, जल सुरक्षा और जीवन प्रणाली की रीढ़ है।

सरपंच चुनाव लड़ने के लिए 10वीं पास होना अनिवार्य करने की तैयारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान सरकार पंचायती राज और शहरी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए शैक्षणिक योग्यता की शर्त फिर से लागू करने की योजना बना रही है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि शैक्षणिक योग्यता को लागू करने का प्रस्ताव मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को अनुमोदन के लिए भेजा गया है। प्रस्ताव में सरपंच पद का चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवार का कम से कम 10वीं पास होना अनिवार्य करने की बात कही गई है। इसी तरह पार्षद पद का चुनाव लड़ने के लिए 10वीं और 12वीं में से एक योग्यता लागू करने का प्रस्ताव है।

स्वायत्त शासन मंत्री ने कहा कि पंचायती राज और निकाय चुनाव लड़ने के लिए शैक्षणिक योग्यता लागू करने के वास्ते पंचायती राज कानून और नगरपालिका कानून में संशोधन करने होंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स्तर से मंजूरी मिलने के बाद दो अलग-अलग विधेयक लाए जाएंगे और विधानसभा के बजट सत्र में दोनों विधेयकों को पारित कर कानून में संशोधन करवाया जा सकता है।

उल्लेखनीय है कि 2015 में तत्कालीन वसुंधरा राजे सरकार के समय पंचायती राज और शहरी निकाय चुनावों में शैक्षणिक योग्यता लागू की गई थी। इसके तहत वार्ड पंच के लिए किसी तरह की शैक्षणिक योग्यता की बाध्यता नहीं थी, लेकिन सरपंच का आठवीं पास होना जरूरी था। आदिवासी इलाके (टीएसपी एरिया) में सरपंच के लिए पांचवीं पास होना अनिवार्य किया गया था। पंचायत समिति सदस्य और जिला परिषद सदस्य के लिए 10वीं पास की योग्यता लागू की गई थी। पार्षद और निकाय प्रमुखों के लिए 10वीं पास की योग्यता चाहिए थी, लेकिन कांग्रेस ने इसका विरोध किया था और वर्ष 2018 में कांग्रेस सरकार बनने के बाद 2019 में इस प्रावधान को हटा दिया गया।

फिट इंडिया ही हिट इंडिया है, भारत खेलेगा तो भारत खिलेगा : गजेंद्र सिंह शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। फिट इंडिया एवं खेलो इंडिया की राष्ट्रीय संकल्पना को धरातल पर साकार करता सांसद खेल महोत्सव 2025 का भव्य समापन समारोह गुरुवार को क्रीड़ा संगम गौशाला मैदान में अति उत्साह, गरिमा एवं राष्ट्रभाव से परिपूर्ण वातावरण में समारोहपूर्वक संपन्न हुआ। आयोजन का शुभारंभ उद्घाटन घोषणा एवं ध्वजारोहण के साथ हुआ, जिसके पश्चात मशाल रिले, मार्च-पास्ट एवं अभिमुख प्रयाण के माध्यम से खिलाड़ियों ने अनुशासन, एकता एवं खेल भावना का प्रेरक प्रदर्शन किया। समारोह को और अधिक गौरवमयी बनाते हुए इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े और खिलाड़ियों व उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित किया। पारंपरिक खेलों से मजबूत होती जड़ें, ऊँचाइयों की ओर बढ़ता भारत केंद्रीय मंत्री

समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान के खिलाड़ियों ने न केवल देश में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी प्रदेश का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि सांसद खेल महोत्सव केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि सशक्त, स्वस्थ और आत्मनिर्भर भारत की नींव रखने का अभियान है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मंत्र फिट इंडिया, हिट इंडिया और भारत खेलेगा तो भारत खिलेगा आज यहां साकार होता दिखाई दे रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जो राष्ट्र शारीरिक रूप से फिट होता है, वही विकसित राष्ट्र बनता है। खिलाड़ियों के अनुशासन, परिश्रम और आत्मविश्वास को उन्होंने स्वस्थ भारत की आधारशिला बताया। उन्होंने कहा कि इस महोत्सव की शुरुआत पारंपरिक खेलों के साथ पंचायत स्तर से की गई, जिसमें महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों की सक्रिय भागीदारी ने सामुदायिक भावना, समरसता और सांस्कृतिक जड़ों को मजबूत किया। जिस वृक्ष की जड़ें मजबूत होती हैं, वह उतनी ही ऊंचाइयों तक पहुंचता है यह महोत्सव उसी का उदाहरण है।

समापन समारोह में वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में डॉ. प्रेम भंडारी एवं विरासत कल्चरल सोसायटी, धनोरा (पंजाब) द्वारा देशभक्ति से ओतप्रोत रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। खेल, संस्कृति और राष्ट्रप्रेम के अद्भुत संगम का साक्षी बना यह समारोह दर्शकों के लिए अविस्मरणीय रहा।

कार्यक्रम में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आशीष कुमार मिश्रा ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए आयोजन से संबंधित विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। मिश्रा ने बताया कि सांसद खेल महोत्सव 2025 चार चरणों में आयोजित किया गया, जिसमें 1,30,056 खिलाड़ियों ने ऑनलाइन पंजीयन कराया।

'विरासत के साथ विकास' के लिए प्रतिबद्ध है राजस्थान सरकार : मुख्यमंत्री शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार विरासत के संरक्षण के साथ-साथ विकास के मूल मंत्र पर संकल्पित होकर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने गत दो साल में राज्य में सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं और आधारभूत संरचना के विकास और विस्तार को नयी गति दी है। शर्मा ने राज्य सरकार के दो वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य पर सीकर के रामगढ़ शेखावाटी में आयोजित विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शेखावाटी की हवेलियां अद्वितीय धरोहर हैं और इनके संरक्षण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध होकर काम कर रही है। झुंझुनूं, सीकर और चूरू की 662 ऐतिहासिक हवेलियों को संरक्षण और पुनरुद्धार के लिए चिन्हित किया गया है, जिन्हें पर्यटन हब के रूप में विकसित कर स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। इनके संरक्षण और विकास के लिए एक कानून भी लाया जाएगा।

आधिकारिक बयान के अनुसार शर्मा ने कहा कि फिल्मों की शूटिंग के लिए शेखावाटी क्षेत्र पसंदीदा स्थान रहा है। राजस्थान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फिल्म निर्माण का केंद्र बनाने के लिए राज्य सरकार ने फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति-2025 जारी की है। इस नीति के माध्यम से प्रदेश में पर्यटन गतिविधियों के विस्तार के साथ ही, स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। शर्मा ने कहा कि शेखावाटी क्षेत्र में पानी उपलब्ध कराने के लिए यमुना जल समझौते को क्रियान्वित किया जा रहा है। इसकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करवाई जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में किसान, युवा, गरीब, एवं महिला के कल्याण के लिए कई कदम उठाए हैं। गरीब कल्याण के इस संकल्प को राजस्थान सरकार आगे बढ़ा रही है।

न्यायालय के फैसले को दरकिनार कर अरावली में नए पट्टे बांट रही है भजनलाल सरकार : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अरावली क्षेत्र को लेकर उच्चतम न्यायालय के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद राज्य सरकार द्वारा नए खनन पट्टे जारी करने की प्रक्रिया पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया है। उन्होंने बुधवार को कहा कि एक ओर तो केंद्र सरकार अरावली संरक्षण का दावा कर रही है वहीं दूसरी ओर राजस्थान की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार उच्चतम न्यायालय के आदेशों की धज्जियां उड़ा रही है।

गहलोत ने एक बयान में कहा कि केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव दावा कर रहे हैं कि उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुसार जब तक 'मैनेजमेंट प्लान फॉर सस्टेनेबल माइनिंग' (एमपीएसएम) तैयार नहीं हो जाता तब तक अरावली की 100 मीटर से ऊंची या नीची, किसी भी पहाड़ी पर नया खनन पट्टा नहीं दिया जाएगा। लेकिन, राजस्थान सरकार ने 14 नवंबर 2025 को नए खनन पट्टे जारी करने की प्रक्रिया शुरू की जिसमें 50 पट्टे अरावली रेंज वाले नौ जिलों जयपुर, अलवर, झुंझुनूं, राजसमंद, उदयपुर, अजमेर, सीकर, पाली और ब्यावर के हैं।

उन्होंने कहा, 20 नवंबर को आए उच्चतम न्यायालय के फैसले के बावजूद, अरावली रेंज में आने वाले 50 खनन पट्टों की नीलामी प्रक्रिया को नहीं रोका गया बल्कि 30 नवंबर 2025 को आदेश निकालकर प्रमाणित किया गया कि अरावली रेंज में आने के बावजूद ये 50 पट्टे अरावली का हिस्सा नहीं हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री ने सवाल उठाया कि जब उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट रूप से एमपीएसएम के बिना नए पट्टों पर रोक लगाई है तो राजस्थान सरकार किस आधार पर नीलामी जारी रख रही है? सरकार ने उच्च न्यायालय में यह तर्क देकर दिसंबर में इन पट्टों की नीलामी कर दी की है कि ये पहाड़ 100 मीटर से नीचे हैं, इसलिए अरावली में नहीं आते जबकि उच्चतम न्यायालय का एमपीएसएम का फैसला 100 मीटर से ऊपर व नीचे दोनों की पहाड़ियों पर लागू होगा।

वसुंधरा राजे के नेतृत्व में अटल जयंती पर हरित संकल्प

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

झालावाड़। भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के 101वें जन्मदिवस के अवसर पर बुधवार को झालावाड़ जिले के लव कुश वाटिका, झालरापाटन में हरित संकल्प के तहत एक भव्य एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे एवं झालावाड़-बारां सांसद दुष्यंत सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में 2100 सागवान पौधों का पौधारोपण किया गया। श्रृद्धांजलि के साथ कार्यक्रम की शुरुआत कार्यक्रम की शुरुआत भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रृद्धासुमन अर्पित करने के साथ हुई। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता निभाई।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने उपस्थित जनसमूह का आत्मीय स्वागत करते हुए कहा कि अटल जी का जीवन राष्ट्रसेवा, सुशासन और मानवीय मूल्यों का प्रतीक रहा है। उन्होंने कहा कि आज अटल वन में 2100 पौधों के रोपण से इस महाअभियान की शुरुआत की गई है, तथा आगामी चरणों में यहां 11 हजार सागवान के पौधे लगाए जाएंगे।

उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हमारा दायित्व केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल और संरक्षण भी हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। पूर्व मुख्यमंत्री ने अटल वन में अटल स्तंभ के निर्माण की बात कहते हुए कहा कि यह स्तंभ अटल जी के विचारों, मूल्यों एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी सोच का स्थायी प्रतीक बनेगा।राजे ने स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी के झालावाड़ प्रवास को स्मरण करते हुए कहा कि उनका व्यक्तित्व अत्यंत सरल, स्नेहपूर्ण और प्रेरणादायी था। उन्होंने सभी को आत्मीयता से गले लगाया और उनके मार्गदर्शन से झालावाड़ के विकास को नई दिशा मिली।

अटल की नीति में दूरदृष्टि, नेतृत्व में सेवा भाव था : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व प्रधानमंत्री 'भारत रत्न' अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी नीति में दूरदृष्टि, नेतृत्व में सेवा भाव और निर्णयों में राजनीतिक कुशलता थी।

योगी आदित्यनाथ ने लोकभवन में पूर्व प्रधानमंत्री की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही और जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह समेत कई प्रमुख नेता मौजूद रहे। लोकभवन में अपने संबोधन में योगी ने कहा, देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल की आज पावन जयंती है। वाजपेयी ने उत्तरप्रदेश का देश की संसद में कई बार प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने कहा, ये हमारे प्रदेश की राजधानी लखनऊ का सौभाग्य है कि लखनऊ का प्रतिनिधित्व करते हुए देश के प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने देश को विकास के नए दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ाने का काम किया। योगी ने कहा, इस वर्ष अटल जी के जन्म शताब्दी महोत्सव का आयोजन पूरे देश मे हर्षोल्लास के साथ, अटल जी की कविताओं के काव्य पाठ के साथ, उनकी पत्रकारिता को लेकर, संसद व अंतरराष्ट्रीय मंचों के भाषणों को लेकर शिक्षण प्रशिक्षण संस्थाओं में अनेक कार्यक्रम हो रहे हैं। उन्होंने कहा, अटल जी की पैतृक भूमि उत्तरप्रदेश में ही आगरा के बटेश्वर में है, उन्होंने अपनी उच्च शिक्षा भी कानपुर में अर्जित की। बलरामपुर से देश की संसद में पहली बार चुने गए और संसद में सर्वाधिक बार उत्तरप्रदेश का ही प्रतिनिधित्व किया। उनका विराट व्यक्तित्व पूरे देशवासियों को नई प्रेरणा प्रदान करता है।'' इससे पहले पूर्व प्रधानमंत्री की जयंती पर योगी आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''सुशासन के शाश्वत आदर्श, सहजता एवं सहृदयता के प्रतीक, हमारे प्रेरणा पुरुष, पूर्व प्रधानमंत्री 'भारत रत्न' श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन एवं प्रदेशवासियों को 'सुशासन दिवस' की हार्दिक बधाई। उन्होंने कहा, राजनेता से राष्ट्रनेता तक उनकी यशस्वी यात्रा अभिनंदनीय है। उनके नीति में दूरदृष्टि थी, नेतृत्व में सेवा भाव था, निर्णयों में राजनीतिक कुशलता थी।

वाजपेयी के आदर्श लोगों को राह दिखाते रहेंगे : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की दूरगामी सोच और आदर्श आज भी लोगों के लिए मार्गदर्शक बने हुए हैं।

वाजपेयी का जन्म 25 दिसंबर 1924 को ग्वालियर में हुआ था और उनका निधन 16 अगस्त 2018 को दिल्ली में हुआ था। सरकार उनकी जयंती को सुशासन दिवस के रूप में मनाती है। वाजपेयी वर्ष 1996 से 2004 के बीच तीन बार देश के प्रधानमंत्री रहे।

शर्मा ने 'एक्स' कहा, श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी का जीवन, विज़न और आदर्श हमारे लिए मार्गदर्शक बने हुए हैं, क्योंकि हम 'अटल' संकल्प के साथ सभी के लिए जन-प्रथम और जवाबदेह शासन देने के अपने लक्ष्य पर आगे बढ़ रहे हैं। उनकी जयंती पर, मैं मां भारती के इस महान सपूत को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उन्होंने राज्य भाजपा मुख्यालय का भी दौरा किया और वाजपेयी की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री ने कहा, अटल स्मृति वर्ष पर, हम महान राजनेता, हमारे मार्गदर्शक, श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की विरासत को याद करते हैं। गुवाहाटी में हमारे प्रदेश मुख्यालय में, मैंने भारत रत्न के जीवन और समय पर एक प्रदर्शनी देखी और उन्हें श्रद्धांजलि दी।

ईसा मसीह की शिक्षाओं को याद रखें, मानवता के लिए काम करें : जेपी नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने बृहस्पतिवार को सिविल लाइंस स्थित 'क्रिश्चियन हायर सेकेंडरी स्कूल' में क्रिसमस समारोह में भाग लिया और लोगों से मानवता की भलाई के लिए काम करने का आह्वान किया।

नड्डा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि इस त्योहार को मनाते हुए हम सभी को ईसा मसीह की शिक्षाओं को याद रखना चाहिए। उन्होंने कहा, ''आइए हम सब मानवता की भलाई के लिए काम करें। यह क्रिसमस का दिन हम सभी को मानवता के विकास के लिए मिलकर काम करने के लिए प्रेरित करे। मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने 'एक्ट ईस्ट' नीति के तहत पूर्वोत्तर राज्यों पर विशेष ध्यान देने का प्रयास किया है। उन्होंने बताया कि पूर्वोत्तर में काफी बदलाव आए हैं, खासकर हवाई, सड़क और डिजिटल संपर्क के विकास के मामले में।

नड्डा ने कहा कि नगालैंड में लोगों के लिए एक मेडिकल कॉलेज भी शुरू किया जा रहा है।

भाजपा नेता की हत्या : राजद ने कहा - जनता भगवान भरोसे, भाजपा का राजनीतिक रंग देने का आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के समस्तीपुर जिले में भाजपा के एक सदस्य की बुधवार को गोली मारकर हत्या की घटना पर विपक्षी राजद ने कहा है कि प्रदेश में आम जनता भगवान भरोसे ही है। हालांकि, भाजपा ने इसे राजनीतिक रंग देने की कोशिश करार दिया है।

भाजपा नेता की हत्या के बाद राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रदेश प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा, ''बिहार में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चौपट हो चुकी है और आम जनता भगवान भरोसे जीने को मजबूर है।'' दूसरी ओर, सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने विपक्ष के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे राजनीतिक रंग देने की कोशिश बताया है।

भारतीय जनता पार्टी के नेता और प्रदेश के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बुधवार को कहा था कि अपराध को कत्तई बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। सार्वजनिक मंच से अपने संबोधन में मंत्री ने कहा था कि उनका काम कचरा साफ करना है और वह यह काम कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया था कि कई अपराधी बिहार छोड़कर भाग चुके हैं और जो बचे हैं, उन्हें तीन महीने के भीतर राज्य से बाहर कर दिया जाएगा। सम्राट के बयान के कुछ ही घंटे बाद भाजपा नेता रूपक सहनी की हत्या हो गई, जिससे विपक्ष मंत्री के दावे पर सवाल उठा रहा है।

तिवारी ने तंज कसते हुए कहा, ''जब सरकार अपने ही दल के नेताओं को सुरक्षा नहीं दे पा रही है, तो आम लोगों की सुरक्षा की गारंटी कैसे दी जा सकती है।''

राजद ने इस घटना को सरकार की विफलता का प्रतीक बताते हुए जवाबदेही तय करने की मांग की।

न्याय उस भाषा में मिलना चाहिए जिसे लोग समझ सकें : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को कहा कि न्याय तभी सार्थक हो सकता है जब वह न्याय चाहने वालों को समझ में आने वाली भाषा में दिया जाए।

अखिलेश ने इस बात पर जोर दिया कि भाषाई समावेश भी न्याय के लिए निर्णायक बिंदु है। सपा प्रमुख ने अपने आधिकारिक ''एक्स'' खाते पर एक पोस्ट में कहा कि ''इंसाफ़ की ज़ुबान समझ आने से ही इंसाफ़ होगा। न्याय के लिए भाषाई समावेश भी निर्णायक बिंदु है।'' यादव की यह टिप्पणी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व विधायक कुलदीप सेंगर से जुड़े उन्नाव दुष्कर्म मामले में है। बलात्कार पीड़िता ने कथित तौर पर अदालत में अंग्रेजी में चल रही बहस पर चिंता व्यक्त की थी।

यादव ने अपने इसी पोस्ट में अंग्रेजी में कहा, न्याय का वितरण ऐसी भाषा के इस्तेमाल पर निर्भर करता है, जो इसमें शामिल सभी पक्षों को समझ में आए। भाषाई समावेशिता न्याय के सच्चे प्रशासन में एक निर्णायक तत्व है।

उच्च न्यायालय ने यह कहते हुए कि वह पहले ही सात साल और पांच महीने जेल में बिता चुका है, बलात्कार के आरोप में आजीवन कारावास की सजा काट रहे पूर्व विधायक की सजा 23 दिसंबर को निलंबित कर दी थी। सेंगर की सजा को उच्च न्यायालय ने दुष्कर्म मामले में उनकी दोषसिद्धि और सजा को चुनौती देने वाली उनकी अपील के लंबित रहने तक निलंबित रखा है। उन्होंने इस मामले में दिसंबर 2019 के निचली अदालत के फैसले को चुनौती दी है। हालांकि, सेंगर अभी जेल में ही रहेगा।

बिहार की आठ हजार पंचायतों में बनेंगे खेल क्लब : सम्राट चौधरी

पटना/भाषा। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य की करीब आठ हजार पंचायतों में खेल क्लब बनाए जाएंगे जिनमें सभी प्रमुख खेलों के लिए आवश्यक खेल सामग्री और उपकरण उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि इसका मकसद यह है कि ग्रामीण और स्थानीय स्तर से क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी और सचिन तेंदुलकर जैसी प्रतिभाएं उभरकर सामने आ सकें।

चौधरी, पटना के मोइन-उल-हक स्टेडियम में आयोजित सांसद खेल महोत्सव-2025 को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार ने यह नीति बनाई है कि जो खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राज्य और देश का प्रतिनिधित्व करेंगे, उन्हें सीधे सरकारी नौकरी दी जाएगी।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार 13 स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण करा रही है। उन्होंने कहा कि मोइन-उल-हक स्टेडियम, जहां वर्ष 1996 में अंतिम बार क्रिकेट विश्व कप का मैच खेला गया था, वहां जल्द ही अंतरराष्ट्रीय स्तर का मैदान विकसित करने का काम शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का नवीनीकरण किया जाएगा और इसे और भव्य बनाने की तैयारी है। चौधरी ने कहा कि आज के युवा खेल के माध्यम से अपना करियर बना रहे हैं और 'खेलो इंडिया' जैसी योजनाओं को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने दोहराया कि बिहार सरकार खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

ट्रेन से नाबालिग लड़की समेत तीन रोहिंग्या गिरफ्तार

कानपुर (उप्र)/भाषा। कानपुर जिले में राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने बृहस्पतिवार को पूर्वोत्तर संपर्क क्रांति एक्सप्रेस में एक नाबालिग लड़की सहित तीन रोहिंग्या लोगों को गिरफ्तार किया। जीआरपी कानपुर के क्षेत्राधिकारी दुष्यंत कुमार सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान मोहम्मद इब्राहिम (26), उसके दोस्त मोहम्मद हाशिम (21) और रिश्तेदार शौक़ तारा (17) के रूप में हुई है। उनके मुताबिक, वे सभी म्यांमा के रहने वाले हैं और भारत में अवैध रूप से घुसने से पहले बांग्लादेश में एक रोहिंग्या शरणार्थी शिविर में रह रहे थे।

उन्होंने कहा, ''हमें बुधवार को रेल हेल्प हेल्पलाइन के जरिए जानकारी मिली थी कि ट्रेन की सामान्य श्रेणी की बोगी में दो संदिग्ध युवक और एक लड़की मौजूद है। इस पर तुरंत कार्रवाई करते हुए जीआरपी की एक टीम ट्रेन के कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर पहुंचने पर कोच में दाखिल हुई और तीनों को ढूंढ लिया। सिंह के मुताबिक पूछताछ करने पर वे तीनों कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए और उन्हें ट्रेन से उतारकर विस्तृत पूछताछ के लिए जीआरपी चौकी ले जाया गया और पूछताछ के दौरान, इब्राहिम ने कथित तौर पर भारत में अवैध रूप से घुसने की बात कुबूल की।

तृणमूल नेता अभिषेक बनर्जी ने महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भाजपा पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्यों में राज्य सरकारों द्वारा चलाया जा रहा 'बेटी बचाओ' अभियान एक मजाक बन गया है क्योंकि 'दुष्कर्म के दोषियों' को राहत मिल रही है और गठबंधन के सहयोगी मंत्री पीड़िताओं का मज़ाक उड़ा रहे हैं।

बनर्जी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में दिल्ली उच्च न्यायालय के दो दिन पुराने उस आदेश का हवाला दिया, जिसमें 2017 के उन्नाव दुष्कर्म मामले में भाजपा से निष्कासित विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की जेल की सजा निलंबित कर दी गई थी।

तृणमूल नेता ने एक वीडियो का भी हवाला दिया, जिसमें उत्तर प्रदेश के मंत्री और सुहलदेव भारतीय समाज पार्टी के नेता ओम प्रकाश राजभर, उच्च न्यायालय के आदेश के विरोध में नई दिल्ली के इंडिया गेट पर उन्नाव दुष्कर्म पीड़िता के प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए हंस रहे थे। बनर्जी ने कहा, दुष्कर्म के आरोपी भाजपा विधायक कुलदीप सेंगर को जमानत मिल गई। भाजपा के सहयोगी उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर दुष्कर्म पीड़िताओं का मजाक उड़ा रहे हैं। भाजपा के नेतृत्व की ओर से हर तरफ सन्नाटा पसरा हुआ है। उन्होंने कहा, आज भाजपा शासित राज्यों में आज 'बेटी बचाओ' की यही हकीकत है। जब दुष्कर्म के दोषियों को राहत मिल रही है और मंत्री पीड़िताओं का मजाक उड़ा रहे हैं।

ओडिशा में मुठभेड़ में 1.1 करोड़ के इनामी गणेश उइके समेत छह नक्सली ढेर

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के कंधमाल जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में शीर्ष माओवादी गणेश उइके सहित छह नक्सली मारे गए। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इसे ''एक बड़ी सफलता'' बताया, जबकि मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इसे 'नक्सल मुक्त भारत' के निर्माण की दिशा में एक ''उल्लेखनीय सफलता'' बताया। राज्य में नक्सल विरोधी अभियानों का नेतृत्व कर रहे एक वरिष्ठ अधिकारी संजीब पांडा ने बताया कि भाकपा (माओवादी) केंद्रीय समिति के सदस्य उइके ओडिशा में प्रतिबंधित संगठन का प्रमुख था और उस पर 1.1 करोड़ रुपए का इनाम था।

बुधवार रात बेलघर थाना क्षेत्र के गुम्मा जंगल में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में छत्तीसगढ़ के दो माओवादी मारे गए। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार सुबह चकापाड थाना क्षेत्र के एक जंगल में फिर से मुठभेड़ हुई, जिसमें उइके समेत चार अन्य माओवादी मारे गए। अधिकारी ने बताया कि दो महिलाओं समेत अन्य तीन नक्सलियों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।

प्रधानमंत्री बांग्लादेशी हिंदुओं पर हमलों के खिलाफ मुखर नहीं, पार्टी पीड़ितों के साथ खड़ी है : टीएमसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों के खिलाफ मुखर नहीं हैं जबकि पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी पड़ोसी देश में अल्पसंख्यक समुदाय के साथ खड़ी है।

पश्चिम बंगाल की मंत्री शशि पांजा ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई यह झूठा दुष्प्रचार फैलाने की कोशिश कर रही है कि टीएमसी बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ आवाज नहीं उठा रही है। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, हम बांग्लादेश में दीपू चंद्र दास की हत्या की कड़ी निंदा करते हैं और बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के भाइयों व बहनों के साथ खड़े हैं। पांजा ने दावा किया कि न तो प्रधानमंत्री मोदी और न ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पड़ोसी देश में हिंदू समुदाय पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ मुखर हुए हैं। मंत्री ने पूछा कि पड़ोसी देश में हो रही इन अप्रिय घटनाओं के संबंध में विदेश मंत्रालय क्या कर रहा है? उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल के एक प्रवासी मजदूर की ओडिशा के संबलपुर जिले में हत्या कर दी गई।

पांजा ने दावा किया, मुर्शिदाबाद जिले के सूती ब्लॉक के रहने वाले तीन युवकों पर ओडिशा में इस आरोप पर हमला किया गया कि वे बांग्लादेशी हैं और वे बांग्ला भाषा बोल रहे थे। उन्होंने दावा किया कि उनमें से एक की मौत हो गई जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए और ओडिशा के एक स्थानीय अस्पताल में उनका इलाज जारी है। टीएमसी मंत्री ने कहा, हम इस घटना की निंदा करते हैं।

पांजा ने आरोप लगाया कि बांग्ला भाषी प्रवासी श्रमिकों को कुछ राज्यों में बांग्लादेशी नागरिक होने के संदेह के कारण अत्याचारों का सामना करना पड़ रहा है और भाजपा इस मामले पर चुप्पी साधे हुए है।

डेरेक ओ'ब्रायन ने प्रधानमंत्री के क्रिसमस संदेश पर सवाल उठाये

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ईसाइयों पर हुए हमलों की घटनाओं के लिए सरकार की आलोचना करने में मुखर रहे तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ'ब्रायन ने क्रिसमस की प्रार्थना सभा में शामिल होने को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर बृहस्पतिवार को निशाना साधा।

प्रधानमंत्री मोदी बृहस्पतिवार को यहां 'कैथेड्रल चर्च ऑफ द रिडेम्पशन' में क्रिसमस की प्रार्थना सभा में शामिल हुए। डेरेक ओ'ब्रायन ने 'एक्स' पर एक संक्षिप्त पोस्ट में क्रिसमस पर प्रधानमंत्री की एक पोस्ट का हवाला दिया और उनके क्रिसमस संदेश पर सवाल उठाया। ओ'ब्रायन ने पोस्ट में प्रधानमंत्री की पोस्ट का हवाला देते हुए कहा, ''प्यार? शांति? करुणा? सद्भाव? सद्भावना? क्रिसमस?'' मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मैंने दिल्ली के 'कैथेड्रल चर्च ऑफ द रिडेम्पशन' में क्रिसमस की सुबह की प्रार्थना में हिस्सा लिया। प्रार्थना में प्रेम, शांति और करुणा का शाश्वत संदेश झलक रहा था। आशा है कि क्रिसमस की भावना हमारे समाज में सद्भाव और सामंजस्य को प्रेरित करेगी।''

राज्यसभा में तृणमूल कांग्रेस के नेता ओ'ब्रायन ने क्रिसमस से पहले ईसाइयों पर हो रहे हमलों की खबरों को लेकर प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की बुधवार को कड़ी आलोचना की थी।

आय से अधिक संपत्ति मामले में राजस्व अधिकारी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सतर्कता विभाग ने एक राजस्व अधिकारी को उसकी आय के ज्ञात स्रोतों से कहीं अधिक संपत्ति का खुलासा होने के बाद बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपी अधिकारी के पास 16 भूखंड और दो भवन होने की जानकारी मिली है। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को संबलपुर स्थित बंदोबस्ती अधिकारी के कार्यालय में वरिष्ठ राजस्व सहायक बासुदेव भोई की संपत्ति पर छापेमारी की गई। छापेमारी में बरगढ़ और संबलपुर में दो इमारतें और 16 भूखंड, 11.56 लाख रुपए की बैंक और बीमा जमा राशि, एक कार, चार मोटरसाइकिल और लगभग छह लाख रुपए मूल्य का घरेलू सामान बरामद हुआ।

बनारस को चौपाटी बना दिया गया है : काशीनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी/भाषा। ''लोगों ने बनारस को बर्बाद कर दिया है। ये मॉल और कॉलोनियों का मुहल्ला नहीं था। ये गलियों और मुहल्लों का मोहल्ला था। पहले लोग बनारस की परंपरा को देखने के लिए आते थे, अब लोग आरती के लिए आते हैं। बनारस के चरित्र को नष्ट किया जा रहा है।''

साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित और 'काशी का अस्सी' जैसा बहुचर्चित और बहुविवादित उपन्यास लिखने वाले काशीनाथ सिंह ने एक मुलाकात में शहर के बदलते रूप रंग को लेकर कुछ इस तरह से अपना दर्द बयां किया। 'भाषा' के साथ यहां ब्रिज एन्क्लेव में स्थित अपने आवास पर एक विशेष बातचीत में उन्होंने शहर को लेकर पुरानी यादों के पन्नों को पलटते हुए कहा, '' 1953 में जब हम आए थे तो इस शहर में कार एक दो थीं... इक्के थे। प्रेमचंद, जयशंकर प्रसाद इक्के से आते जाते थे। अब तो कारें हैं, मल्टी प्लेक्सेस बने हुए हैं। अब बनारस में, दिल्ली या किसी बड़े शहर में कोई फर्क नहीं रह गया है।'' एक जनवरी 1937 को जियापुर, चंदौली में जन्में काशीनाथ का बनारस से लगाव जगजाहिर है। इसी कारण शहर के आधुनिकता की चपेट में आने से वह खासे दुखी भी हैं। उन्होंने कहा,'' पहले लोग बनारस की परंपरा को देखने के लिए आते थे, अब लोग आरती के लिए आते हैं। नमो घाट, अस्सी घाट... वहां शाम को हम दस. पांच लोग घाटों की सीढ़ियों पर बैठते थे, सन्नाटा रहता था, शांत, गंगा बहती रहती थी। आपस में बातें करते थे, टहलते थे। नहाने वाले शाम को दो. चार लोग होते थे। और यहां एकदम शांति होती थी... साधु बैठे हुए हैं, जटा जूट बढ़ाए, ध्यान कर रहे हैं, योगी धुनी रमाए, पूरे बदन में राख लपेटे बैठे हैं.... अब तो एक तमाशा हो गया है। अस्सी को अब चौपाटी बना दिया गया है। ये बनारस नहीं था... ये हमारा बनारस नहीं है। वो हमारा बनारस था।'' उनका परिवार बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी में मकान मिलने से पहले अस्सी घाट के समीप ही रहता था। बातों के क्रम में चाय की चुस्कियां लेते हुए काशीनाथ सिंह लौट लौट कर बनारस पर ही टिकते रहे और शहर से उनके गर्माहट भरे रिश्ते की परतें खुलती रहीं। उन्होंने बड़े संजीदा लहजे और थोड़ा अफसोस के साथ कहा,'' बनारस का एक चरित्र हुआ करता था। दाल मंडी की गलियां और वहां की दुकानें प्रसिद्ध थीं। ठठेरी गली थी, बिस्मिल्लाह खान की गली थी, कुंजी टोला था... अब गलियां सड़कों में बदली जा रही हैं।''

बालाजी टीम के अहम सदस्य हैं, अगले मैच के लिए विचार हो सकता है : रोहित राजपाल

नई दिल्ली/भाषा। भारत के डेविस कप कप्तान रोहित राजपाल ने बृहस्पतिवार को कहा कि नीदरलैंड के खिलाफ आगामी मुकाबले के लिए टीम में जगह नहीं बना पाने के बावजूद अनुभवी युगल विशेषज्ञ एन श्रीराम बालाजी के लिए दरवाजे बंद नहीं हुए हैं और टीम संयोजन को देखते हुए चयन किया गया है । राजपाल ने कहा कि युगल टीम के लिए ड्यूस कोर्ट विशेषज्ञ की जरूरत थी और युकी भांबरी के साथ रित्विक बोलीपल्ली इस भूमिका को बखूबी निभा सकते हैं ।

राजपाल ने पीटीआई से कहा ,''टीम संयोजन को देखें तो हम ड्यूस कोर्ट खिलाड़ी की तलाश कर रहे थे । युकी एड कोर्ट से खेलते हैं । रित्विक ड्यूस कोर्ट के विशेषज्ञ हैं लेकिन बालाजी के लिए रास्ते बंद

नहीं हुए हैं ।'' कोर्ट के दाहिने हिस्से को ड्यूस कोर्ट कहा जाता है जहां से हर गेम शुरू होता है जबकि एड कोर्ट (एडवांटेज) बायीं ओर का हिस्सा है।

उन्होंने कहा ,'' बालाजी भारत के लिए पहले एकल खेल चुके हैं और निर्णायक मुकाबलों में खेले हैं ।वह भारतीय टीम के कोर सदस्य हैं और अगले मुकाबले के लिए अगर वह फिट रहते हैं तो उनके नाम पर विचार होगा ।'' भारत को बेंगलूरु में सात और आठ फरवरी को डेविस कप क्वालीफायर्स में नीदरलैंड से खेलना है। समझा जाता है कि रिजर्व खिलाड़ी आर्यन शाह ने मुकाबले से नाम वापिस ले लिया है जिससे अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) नाराज है।

सुविचार

अगर आप अपनी गलतियों से कुछ सीखते हो, तो गलतियां सीढ़ियाँ बनती हैं और अगर नहीं सीखते हैं, तो गलतियां सागर हैं, फैसला आपका है चढ़ना है या डूबना है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्मार्टफोन: विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा दें

राजस्थान में जालोर जिले के कई गांवों में एक समाज के बड़े-बुजुर्गों द्वारा बहू-बेटियों के स्मार्टफोन इस्तेमाल पर लगाए गए प्रतिबंध की चौतरफा आलोचना हो रही है। यह स्वाभाविक है। इंटरनेट के इस दौर में नारी शक्ति को स्मार्टफोन से दूर करने के कई नुकसान होंगे। हालांकि उक्त फैसले की कोई कानूनी मान्यता नहीं है और इसे वापस भी ले लिया गया है। इस बात से इन्कार नहीं किया जा सकता कि स्मार्टफोन के आने से जीवन में कई समस्याएं भी आई हैं। यह घरों में कलह की वजह बन रहा है। कई परिवार जो पहले शांति से गुजारा कर रहे थे, वहां स्मार्टफोन आने के बाद अशांति ने बसेरा कर लिया है। अगर इन हालात पर गौर करेंगे तो पाएंगे कि इनके लिए स्मार्टफोन नहीं, बल्कि उसका अविवेकपूर्ण उपयोग जिम्मेदार है। लोगों को हमेशा स्मार्टफोन के साथ व्यस्त नहीं रहना चाहिए। देश-दुनिया में क्या हो रहा है, सोशल मीडिया पर क्या चर्चा में है, ज्वलंत मुद्दे कौनसे हैं - यह जानने के लिए एक घंटा स्मार्टफोन चलाना काफी है। उसके बाद अपने अन्य काम कर सकते हैं। सिर्फ बहू-बेटियों को स्मार्टफोन चलाने से रोकना समस्याएं कम नहीं करेगा। क्या बेटों को भी स्मार्टफोन चलाने से रोकेंगे? कई किशोर और युवा दिनभर फोन चलाते हैं। उन्हें पढ़ाई-लिखाई और कोई जरूरी काम करने के लिए कहें तो वे 'सिर्फ पांच मिनट और' का बहाना बनाते हैं या झगड़ा करने लगते हैं। कई लड़के कुसंगति में पड़ने के कारण स्मार्टफोन पर आपत्तिजनक और अभद्र सामग्री देखते हैं। वे दैनिक बोलचाल में अशालीन शब्दों का प्रयोग करते हैं। वास्तव में, स्मार्टफोन न तो अच्छा है और न ही बुरा है। यह एक उपकरण है। अगर इसका इस्तेमाल अच्छे काम के लिए करेंगे तो अच्छे नतीजे मिलेंगे, अगर बुरे काम के लिए करेंगे तो बुरे नतीजे मिलेंगे।

आज कई शिक्षक स्मार्टफोन पर पढ़ा रहे हैं। उनसे हजारों बच्चों को गुणवत्तापूर्ण सामग्री मिल रही है। पहले, कोटा, दिल्ली, जयपुर, सीकर जैसे शहरों में कोचिंग करने पर लाखों रुपए खर्च करने पड़ते थे। अब वही सामग्री स्मार्टफोन पर बहुत कम खर्चे पर मिल जाती है। योगाभ्यास में बहुत रुचि रखने वाली एक युवती स्मार्टफोन के जरिए सैकड़ों लोगों को स्वस्थ रहने के तरीके सिखा रही है। इससे उसे आमदनी भी हो रही है। सोचिए, अगर उसके पास स्मार्टफोन नहीं होता तो क्या वह इतना आगे बढ़ पाती? एक छोटे कस्बे में रहने वाली युवती को मेहंदी लगाने में महारत हासिल है। उसने स्मार्टफोन चलाना सीखा और सोशल मीडिया पर अपना अकाउंट बनाया। आज उसके हुनर को कई देशों में सराहा जा रहा है। राजस्थान के गांव में रहने वाली एक महिला को परंपरागत पकवान बनाने बहुत पसंद हैं। पहले, वह अपने परिवार को पकवान बनाकर खिलाती थी। इससे उसे संतुष्टि मिलती थी। जब से उसने स्मार्टफोन लेकर यूट्यूब पर चैनल बनाया है, संतुष्टि के साथ रुपए भी मिलने लगे हैं। जब पहली बार उसके बैंक खाते में रुपए आए तो उसे आश्चर्य हुआ कि उसका हुनर इतना मायने रखता है! इस कमाई से उसके परिवार को बहुत सहारा मिला है। कुछ साल पहले पढ़ाई के लिए अमेरिका गई एक भारतीय युवती ने स्मार्टफोन को अपनी ताकत बनाया। वह उस पर अंग्रेजी के शब्दों की सही जानकारी देती है। इसके अलावा अमेरिका आने पर किन नियमों का ध्यान रखना चाहिए, किन चीजों से बचना चाहिए, कौनसी चीज कहां सस्ती मिलेगी - जैसी बातें बताती है। इससे युवाओं को फायदा हो रहा है। वहीं, उस युवती को अच्छी कमाई हो रही है। ऐसे अनगिनत उदाहरण हैं, जिनसे पता चलता है कि स्मार्टफोन के सही इस्तेमाल से महिलाओं और उनके परिवारों का जीवन स्तर बेहतर होता है। इस सिलसिले को आगे बढ़ाना चाहिए। इसकी एक मर्यादा जरूर होनी चाहिए। वह सिर्फ महिलाओं के लिए नहीं, सबके लिए होनी चाहिए।

ट्वीटर टॉक

नए भारत की नींव रखने वाले, राजनीति के अजातशत्रु, कविकुलभूषण और राष्ट्रभक्ति के प्रतीक, भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी को उनकी जयंती पर कोटिशः नमन एवं आप सभी को सुशासन दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ!

-वसुंधरा राजे

आज जयपुर-सीकर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 52 पर मंडा मोड़ स्थित निर्माणाधीन पुलिया कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए इसे शीघ्र पूर्ण करने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

-दिया कुमारी

आज हरिश्चंद्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान (एचसीएम रीपा) में आयोजित सुशासन दिवस राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सुशासन की शपथ दिलाई।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

जीवन-मूल्य की समझ

एक राजा वन में रास्ता भूल गया। भूख और प्यास से पीड़ित राजा एक वनवासी की झोपड़ी पर पहुंच गया। वहां से उसे आतिथ्य मिला। चलते समय राजा ने उस वनवासी से कहा, 'हम तुम्हारी सज्जनता से प्रभावित होकर, तुम्हें अमुक नगर का चन्दन बाग प्रदान करते हैं, जिससे तुम्हारा जीवन आनन्दमय बीतेगा।' अब वनवासी चन्दन के वृक्ष काटकर उनका कोयला बनाकर शहर में बेचने लगा। धीरे-धीरे सभी वृक्ष समाप्त हो गए। एक आखिरी पेड़ बचा, लेकिन वर्षा के कारण कोयला नहीं बन सका। उसने लकड़ी बेचने का निश्चय किया। लकड़ी का गट्ठा लेकर बाजार में पहुंचा तो उसकी सुगंध से प्रभावित लोग उसे भारी मूल्य देकर खरीदने लगे। वनवासी आश्चर्यचकित हुआ और इसका कारण पूछा। तब लोगों ने कहा, 'यह चन्दन काष्ठ है, बहुत मूल्यवान है। अगर तुम्हारे पास ऐसी लकड़ी हो तो तुम्हें बहुत अधिक मूल्य मिल सकता है।' वनवासी अपनी नासमझी पर पछताने लगा। इसी पर एक विचारशील व्यक्ति ने कहा, 'मित्र, पछताओ मत। यह पूरी दुनिया तुम्हारी तरह नासमझ है। जीवन का हर एक क्षण बहुमूल्य है, लेकिन लोग उसे वासना और तृष्णाओं के कारण कौड़ी मोल गंवा देते हैं। तुम जो एक वृक्ष बचा पाए हो, उसका सदुपयोग करो, तो भी यही बहुत है।

सामयिक

साहिबजादों की शहादत और वीर बाल दिवस की प्रासंगिकता

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस' घोषित करना इस अर्थ में भी महत्वपूर्ण है कि यह राष्ट्रीय स्मृति को पुनर्संतुलित करता है। भारत का इतिहास केवल विजेताओं और साम्राज्यों की कथा नहीं, बल्कि उन लोगों की कहानी भी है, जिन्होंने बिना सत्ता के भी नैतिक विजय प्राप्त की। स्कूलों और शिक्षण संस्थानों में इस दिन होने वाले कार्यक्रम केवल औपचारिक आयोजन नहीं होने चाहिए, बल्कि उन्हें मूल्य-आधारित शिक्षा का माध्यम बनना चाहिए। सिख परंपरा में शहादत का अर्थ मृत्यु नहीं, बल्कि धर्म की रक्षा के लिए दिया गया सर्वोच्च योगदान है।

भारत के इतिहास में ऐसे अनगिनत प्रसंग हैं जहाँ धर्म, सत्य और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए लोगों ने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। लेकिन सिख इतिहास में गुरु गोबिंदसिंहजी के चारों साहिबजादों की शहादत जैसा उदाहरण दूसरा नहीं मिलता। भारत सरकार ने 2022 में 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस' के रूप में घोषित किया ताकि आने वाली पीढ़ियाँ उस अमर गाथा से प्रेरणा ले सकें जिसमें बाल उम्र में भी धर्म, साहस और आस्था की ज्योति बुझने नहीं दी गई। सिखों के दसवें गुरु, गुरु गोबिंद सिंहजी का जीवन ही संघर्ष, चेतना और धर्म की रक्षा का प्रतीक रहा है। 1699 में खालसा पंथ की स्थापना के साथ उन्होंने सिख धर्म को एक ऐसी पहचान दी, जिसमें आध्यात्मिकता और वीरता एक-दूसरे से अलग नहीं थीं। उस समय का भारत धार्मिक असहिष्णुता, ज़बरदस्ती धर्मांतरण और सत्ता के दमन से ग्रस्त था। गुरु गोबिंद सिंह जी ने स्पष्ट किया कि धर्म केवल व्यक्तिगत आस्था का विषय नहीं, बल्कि अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की नैतिक शक्ति है। यही संस्कार उनके पुत्रों में भी उतरे, जिन्होंने बाल्यावस्था में ही यह सिद्ध कर दिया कि साहस उम्र का मोहताज नहीं होता। 1704 ईस्वी में आनंदपुर साहिब की घेराबंदी सिख इतिहास की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक थी। महीनों तक चली इस घेराबंदी में भूख, प्यास और निरंतर युद्ध ने सिख समुदाय को तोड़ने का हर प्रयास किया। अंततः छलपूर्वक सुरक्षित मार्ग का आश्वासन देकर मुग़ल सेना ने गुरु गोबिंद सिंह जी के परिवार को अलग-थलग कर दिया। इसी दौरान दो बड़े साहिबजादे अजीत सिंह और जुझार सिंह चमकौर के युद्ध में वीरगति को प्राप्त हुए। वे युद्धभूमि में शहीद हुए, जहाँ मृत्यु भी पराजय नहीं, बल्कि गौरव का रूप थी। लेकिन इतिहास का सबसे हृदयविदारक प्रसंग तब सामने आया जब छोटे साहिबजादे जोरावर सिंह और फतेह सिंह अपनी दादी माता गुजरी जी के साथ सिरहिंद पहुँचे। मात्र नौ और सात वर्ष की आयु में इन बालकों को धर्म परिवर्तन का प्रलोभन दिया गया। यह वह क्षण था जहाँ सत्ता को लगा कि भय और लालच से बालमन को झुकाया जा सकता है। परंतु इन नन्हे साहिबजादों ने जिस दृढ़ता से अपने धर्म और आस्था की रक्षा की, उसने मानव इतिहास में साहस की परिभाषा ही बदल दी।

उनका इनकार केवल एक धार्मिक निर्णय नहीं था, बल्कि आत्मसम्मान और सत्य के प्रति अटूट निष्ठा का घोष था। यातनाएँ दी गईं, भय दिखाया गया, किंतु वे टस से मस नहीं हुए। अंततः उन्हें दीवार में जीवित चिनवा देने का क्रूर आदेश दिया गया। यह घटना केवल शारीरिक यातना का वर्णन नहीं है, बल्कि यह उस मानसिक और नैतिक दृढ़ता का प्रमाण है, जो बालकों को भी वीर बना देती है। कहा जाता है कि जिस ठंडे दिसंबर के दिन यह अमानवीय कृत्य हुआ, उस दिन ईंटों के साथ केवल शरीर नहीं, बल्कि एक अन्यायपूर्ण व्यवस्था की नैतिकता भी चिन दी गई।

माता गुजरी जी ने भी कारागार में ही अपने प्राण त्याग दिए। एक दादी, जिसने अपने पोतों की अडिग आस्था देखी थी, उसने भी जीवन की अंतिम साँस उसी विश्वास के साथ ली कि बलिदान कभी व्यर्थ नहीं जाता। यह प्रसंग भारतीय इतिहास का ऐसा अध्याय है, जहाँ पारिवारिक प्रेम, धार्मिक निष्ठा और आत्मसम्मान एक साथ शहादत में परिणत हो जाते हैं।

आज के समय में 'वीर बाल दिवस' की प्रासंगिकता केवल अतीत को स्मरण करने तक सीमित नहीं है। यह दिन हमें यह सोचने पर विवश करता है कि हमने साहस को किस हद तक केवल प्रतीकात्मक बना दिया है। बच्चों के लिए वीरता आज अक्सर काल्पनिक पात्रों या स्क्रीन तक सिमट गई है। साहिबजादों की गाथा हमें बताती है कि सच्ची बहादुरी नैतिक निर्णयों से जन्म लेती है जहाँ गलत के सामने झुकने से इनकार करना ही सबसे बड़ा शौर्य है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस' घोषित करना इस अर्थ में भी महत्वपूर्ण है कि यह राष्ट्रीय स्मृति को पुनर्संतुलित करता है। भारत का इतिहास केवल विजेताओं और साम्राज्यों की कथा नहीं, बल्कि उन लोगों की कहानी भी है, जिन्होंने बिना सत्ता के भी नैतिक विजय प्राप्त की। स्कूलों और शिक्षण संस्थानों में इस दिन होने वाले कार्यक्रम केवल औपचारिक आयोजन नहीं होने चाहिए, बल्कि उन्हें मूल्य-आधारित शिक्षा का माध्यम बनना चाहिए।

सिख परंपरा में शहादत का अर्थ मृत्यु नहीं, बल्कि धर्म की रक्षा के लिए दिया गया सर्वोच्च योगदान है। गुरु तेग बहादुर जी से लेकर साहिबजादों तक, यह परंपरा हमें सिखाती है कि अन्याय के सामने मौन रहना भी एक प्रकार की सहभागिता है। साहिबजादों की शहादत खालसा के आदर्शों को केवल इतिहास नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन बनाती है।

आज जब समाज नैतिक भ्रम, अवसरवाद और तात्कालिक लाभ की मानसिकता से जूझ रहा है, तब वीर बाल दिवस हमें आत्ममंथन का अवसर देता है। यह याद दिलाता है कि धर्म का अर्थ केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि सत्य और न्याय के लिए खड़े होने का साहस है। साहिबजादों का बलिदान किसी राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित नहीं था, बल्कि वह स्वतंत्र चेतना और धार्मिक स्वाभिमान की रक्षा का प्रतीक था।

26 दिसंबर का वीर बाल दिवस केवल एक स्मृति दिवस नहीं, बल्कि भारत की आत्मा में बसने वाले मूल्यों की पुनः पुष्टि है। यह दिन बताता है कि सच्चा साहस उम्र का नहीं, विश्वास का परिचायक होता है। गुरु गोबिंद सिंह जी और उनके साहिबजादों की गाथा भारत के हृदय में एक अमर प्रेरणा की तरह सदैव जीवित रहेगी जो हमें सिखाती है कि सत्य, धर्म और निष्ठा के लिए किया गया बलिदान कभी व्यर्थ नहीं जाता।

नजरिया

खतरे में है परिवार : वर्जित सम्बन्ध दाम्पत्य पर भारी

मनोज कुमार अग्रवाल

मोबाइल : 9219179431

ताज़ा वारदात मेरठ की मुस्कान की तर्ज पर एक और हत्यारिन विवाहिता रूबी ने अंजाम दिया है उत्तर प्रदेश के संभल जिले के चंदौसी कोतवाली क्षेत्र से एक सनसनीखेज हत्याकांड सामने आया है। यहां एक महिला ने अपने प्रेमी और साथियों के साथ मिलकर पति की बेरहमी से लोहे के हथियार और ग्राइंडर से हाथ पैर काटकर हत्या कर दी। हत्या के बाद शव के टुकड़े कर पहचान छिपाने की कोशिश की गई. फिलहाल पुलिस मृतक के कटे हुए हाथ-पैर और सिर कुछ बरामद कर लिया है और पत्नी व दो लोगों को गिरफ्तार कर खुलासा किया।

देश में दाम्पत्य जीवन के लिए खतरा बढ़ गया है लगातार इस तरह की वारदातों की झड़ी लगी है जिसमें छोटी मोटी बातों पर लोग पति पत्नी लिव-इन पार्टनर रिश्तेदारों सगे संबंधियों का खून बहाने से नही चूक रहे हैं समाज में परिवर्तन के इस दौर में जहां सेक्स और अर्थ को स्वछंद जीने की होड़ लगी है वहीं इंसानियत के सद्गुणों को छोड़ कर मनमानी और हिंसा की ओर जा रहे हैं। इसी का परिणाम है कि यौन अपराध बढ़ रहा है वहीं जरा जरा सी बात पर लोग कत्ल कर रहे हैं कहीं पत्नी प्रेमी के साथ मिल कर सात फेरों वाले पति का कत्ल कर रही है तो कभी पति शराब के नशे में चूर हो कर अपनी अर्धांगिनी का कत्ल कर रहे हैं।

मर्यादापूर्ण जीवन बिताने का सारी दुनिया को संदेश देने वाले भारत में ही अब चंद लोग रिश्तों का सम्मान भूलते जा रहे हैं और लाइफ़ पार्टनर की हत्या तक कर रहे हैं पिछले कुछ दिनों की घटनाएं जो अखबारों की सुर्खियां बनी उन्हें सामने रखकर समाज में बढ़ रही अमानवीयता क्रूरता हैवानियत और प्रतिशोध की भावना को समझ सकते हैं। कभी मेरठ की मुस्कान और इंदौर की सोनम द्वारा पति की हत्या की वारदातों से हतप्रभ हुए भारतीय समाज को अब आए दिन ऐसी वारदातों से दो चार होना पड़ रहा है जिनमें अबला सबला बन कर अपने विवाहेत्तर संबंधो के लिए पति को नृशंसता के साथ रास्ते से हटा रहीं हैं।

ताज़ा वारदात मेरठ की मुस्कान की तर्ज पर एक और हत्यारिन विवाहिता रूबी ने अंजाम दिया है उत्तर प्रदेश के संभल जिले के चंदौसी कोतवाली क्षेत्र से एक सनसनीखेज हत्याकांड सामने आया है। यहां एक महिला ने अपने प्रेमी और साथियों के साथ मिलकर पति की बेरहमी से लोहे के हथियार और ग्राइंडर से हाथ पैर काटकर हत्या कर दी। हत्या के बाद शव के टुकड़े कर पहचान छिपाने की कोशिश की गई. फिलहाल पुलिस मृतक के कटे हुए हाथ-पैर और सिर कुछ बरामद कर लिया है और पत्नी व दो लोगों को गिरफ्तार कर खुलासा किया।

मृतक राहुल की शादी 15 साल पहले चंदौसी के मोहल्ला चुन्नी निवासी रूबी से हुई थी. दंपती के दो बच्चे हैं. 10 साल की बेटी और 12 साल का बेटा. राहुल जूते का व्यापार करता था और 18 नवंबर से लापता था। पूछताछ में रूबी, उसके प्रेमी अभिषेक और अन्य युवक गौरव को हिरासत में लिया है। एक अन्य वारदात अभी 23 दिसंबर को ही सामने आई है हैदराबाद मे 22 वर्ष के युवक संग सेक्स व अय्याशी के नशे में अंधी हो चुकी 36 वर्ष की पत्नी ने प्रेमी और उसके दोस्त के साथ मिलकर अपने ही 45 वर्ष के पति की गला घोंटकर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, अशोक (45) की शादी 12 साल पहले पूर्णिमा (36) से हुई थी। दंपती अपने 11 वर्षीय बेटे के साथ कॉलोनी में रहते थे। अशोक एक निजी कॉलेज में नौकरी करता था, जबकि पूर्णिमा घर पर बच्चों को ट्यूशन पढ़ाती थी।

इसी दौरान पूर्णिमा की कॉलोनी में रहने वाले पालेटी महेश (22) से नजदीकियां बढ़ गईं। धीरे-धीरे दोनों के बीच अवैध संबंध हो गए। 11 दिसंबर को जब अशोक ड्यूटी से घर लौटा, तो पहले से मौजूद महेश और साई ने पूर्णिमा के साथ मिलकर चुन्नी से गला कसकर उसकी हत्या कर दी। वारदात के बाद पूर्णिमा ने पुलिस को सूचना दी कि उसके पति की मौत हार्ट अटैक से हुई है।अशोक के परिजनों को महिला की कहानी पर शक हुआ पोस्टमार्टम में अशोक की मौत गला दबाने से होने की पुष्टि हुई। बेंगलूरु में 24 दिसंबर को एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक पति ने अपनी पत्नी को गोलियों से भूनकर मौत के घाट उतार दिया है। एक हफ्ते पहले ही पत्नी ने उसे तलाक का नोटिस भेजा था। पति-पत्नी दोनों अलग रह रहे थे। आरोपी बालमुरुगन ने कथित तौर पर अपनी पत्नी भुवनेश्वरी पर तब चार गोलियां चलाईं, जब वह काम से घर लौटी थी। हत्या के बाद वो खुद पुलिस स्टेशन गया और सरेंडर कर दिया। आरोपी की उम्र 40 साल है और वो सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। पहले वो एक प्राइवेट फर्म में काम करता था, लेकिन पिछले चार सालों से बेरोजगार था। 39 साल की भुवनेश्वरी यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया में असिस्टेंट मैनेजर थी। 24 दिसंबर को राजस्थान श्रीगंगानगर जिले में दहेज उत्पीड़न और अवैध संबंधों की रंजिश ने एक महिला की जान ले ली। आरोपी पति ने पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी और वारदात को आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को घर में बनी पानी की डिग्गी (टंकी) में डाल दिया। हालांकि पुलिस जांच में सच्चाई सामने आ गई, जिसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

राजस्थान के दौसा जिले के कोलवा थाना क्षेत्र में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर 10 माह पूर्व मिले एक अज्ञात शव के मामले में पुलिस ने 10 माह बाद मृतक की पत्नी को गिरफ्तार किया है. पुलिस के अनुसार आरोपी पत्नी ने अवैध संबंधों में बाधक बन रहे पति की अपने प्रेमी से गोली मारकर हत्या करवा दी थी.इस मामले में पुलिस ने आरोपी पत्नी के प्रेमी धर्मेंद्र कुमार शर्मा शूटर और आरोपी पत्नी को बिहार से गिरफ्तार किया गया है। उम्र दराज लोग भी अपने जीवन साथी की जान लेने से नहीं घबरा रहे हैं। ऐसा एक मामला कर्नाटक के बैंगलुरू में सामने आया है। 23 दिसंबर को बेंगलुरु के मिट्टागनहल्ली गांव के पास रविवार शाम को एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। यहां 64 वर्षीय अनंत ने अपनी 50 वर्षीय पत्नी गायत्री को मौत के घाट उतार दिया। अनंत ने गायत्री को शहर में एक संपत्ति दिखाने के बहाने सूनसान इलाके में ले जा कर हत्या कर दी और दुर्घटना बता कर पुलिस को भटकाने की कोशिश की। 22 दिसंबर को ही वाराणसी में एक 46 वर्षीय शख्स प्रदीप मिश्रा ने 26 वर्षीय पत्नी लक्ष्मी मिश्रा का सिर और चेहरा कुचलकर मार डाला। महिला की टैटू से पहचान हुई। पुलिस ने दस घंटे में आरोपी पति को पकड़ लिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। यूपी के लखनऊ में 23 दिसंबर को पुलिस ने शिव प्रकाश हत्याकांड का खुलासा कर दिया है.शिव प्रकाश की पत्नी सविता रावत का मोहल्ले के ही 21 वर्षीय युवक सतीश गौतम के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। प्रेमी के साथ रहने के लिए सविता ने पति को रास्ते से हटाने की साजिश रची। शनिवार रात ऑटो चालक सतीश गौतम के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। 9 दिसम्बर को 'अमृतसर' (पंजाब) में अपनी पत्नी के साथ महाराष्ट्र से घूमने आए एक व्यक्ति ने पहले तो किसी विवाद के चलते अपनी पत्नी 'सुनीता सोनकर' की हत्या कर दी और फिर स्वयं भी रेलगाड़ी के नीचे आकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।

11 दिसम्बर को 'मोरिंडा' (पंजाब) के नजदीकी गांव 'डूमछेड़ी' में 'धर्मेंद्र सिंह' नामक व्यक्ति ने किसी बात पर गुस्से में आकर अपनी पत्नी 'सुरिंद्र कौर' को मार डाला। 15 दिसम्बर को 'शामली' (उत्तर प्रदेश) में 'फारुक' नामक एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया। आरोपी ने पुलिस को बताया कि मेरी पत्नी बिना बुर्का और नकाब पहने मायके चली गई थी, जिस पर मैंने अपनी पत्नी तथा अपनी दोनों बेटियों की हत्या कर दी। ये घटनाएं परिवारों में टूटते विश्वास वर्जित सम्बन्ध व सम्पत्ति की अंधी दौड़ और टूट रहे दांपत्य के भयानक नतीजों की ओर इशारा करती हैं। अपनी प्राचीन संस्कृति पर गर्व करने वाले हमारे देश में लोगों के नैतिक पतन के ये तो वे मामले हैं जो सामने आए हैं। इनके अलावा भी न जाने कितने ऐसे मामले हुए होंगे जो प्रकाश में नहीं आ पाए। इस तरह की घटनाएं जहां घोर निंदनीय हैं, वहीं ऐसा करने वालों को तेजी से कानूनी कार्रवाई करके उन्हें कठोरतम दंड देने की आवश्यकता है। क्या यह स्थिति एक सभ्य समाज के लिए शर्मनाक नही है?

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

बांग्लादेश में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी को साथ आना होगा : रहमान

ढाका/भाषा। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यकारी अध्यक्ष तारिक रहमान ने 17 साल के अंतराल के बाद ढाका वापस लौटने पर अपने पहले संबोधन में बृहस्पतिवार को देशवासियों से साथ मिलकर कानून-व्यवस्था बनाए रखने का अनुरोध किया। उन्होंने हवाई अड्डे से ढाका के जुलाई 36 एक्सप्रेसवे पर पहुंचने के बाद पार्टी समर्थकों से कहा हम जिस भी राजनीतिक पार्टी से संबंध रखते हैं, जिस भी धर्म में विश्वास करते हैं, चाहे हम किसी पार्टी से जुड़े न हों सभी को कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए एकजुट होना चाहिए।

बांगलादेश में प्रमुख युवा नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के बाद फैले असंतोष और राजनीतिक अस्थिरता के बीच रहमान ने यह अपील की है। हादी पिछले साल हुए व्यापक प्रदर्शनों में एक प्रमुख चेहरा थे, जिनके बाद शेख हसीना सरकार गिर गई थी। पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे रहमान (60) चुनाव में प्रधानमंत्री पद के प्रमुख दावेदार के रूप में उभरे हैं। सरकारी बांग्लादेश सांगबाद सांगस्था की खबर में कहा गया है कि अमेरिकी नागरिक अधिकार कार्यकर्ता मार्टिन लूथर किंग के प्रसिद्ध उद्धरण आई हैव अ ड्रीम का उल्लेख करते हुए रहमान ने कहा, मेरे पास अपने देश के लोगों और अपने देश के लिए एक योजना है।

रहमान ने कहा, यह योजना लोगों के हित में है, देश के विकास के लिए है, और देश की किस्मत बदलने के लिए है। इस योजना को लागू करने के लिए मुझे देश के सभी लोगों का समर्थन चाहिए। अगर आप हमारे साथ खड़े होंगे, तो इंशाअल्लाह, हम अपनी योजना को लागू कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि वह एक ऐसा सुरक्षित बांगलादेश बनाना चाहते हैं जहां लोग जाति, पंथ और विश्वास के भेद के बिना शांतिपूर्ण माहौल में रह सकें। उन्होंने कहा, हमारे देश में पहाड़ी और मैदानी इलाकों के लोग हैं। मुसलमान, हिंदू, बौद्ध और ईसाई हैं। हम एक सुरक्षित बांगलादेश बनाना चाहते हैं, जहां हर महिला, पुरुष और बच्चा अपने घर से सुरक्षित रूप से निकल सके और सुरक्षित रूप से वापस लौट सके। उन्होंने लोगों से अपनी बीमार मां और बीएनपी अध्यक्ष खालिदा जिया के लिए प्रार्थना करने की अपील की। वह कार्यक्रम स्थल से रवाना होने के बाद ढाका के एवरेकेयर अस्पताल में जिया से मिलने जाएंगे। तीन बार प्रधानमंत्री रह चुकीं जिया अस्पताल के 'इंटेंसिव केयर यूनिट' (आईसीयू) में इलाज करा रही हैं।

पश्चिमी देशों के मुकाबले भारत में एआई से दफ्तरी नौकरियों पर खतरा कम : आईटी सचिव

नई दिल्ली/भाषा। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सचिव एस कृष्णन ने कहा है कि कृत्रिम मेधा (एआई) के कारण ज्ञान-आधारित नौकरियों के प्रभावित होने का जोखिम पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले भारत में कम है। कुल कार्यबल में दफ्तर वाली नौकरियों की अपेक्षाकृत कम हिस्सेदारी और विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग एवं गणित (स्टेम) आधारित रोजगारों का वर्चस्व होने के कारण ऐसा है।

कृष्णन ने पीटीआई-भाषा के साथ खास बातचीत में कहा कि रोजगार पर एआई के संभावित प्रभावों को लेकर जो आशंकाएं जताई जा रही हैं, भारत के संदर्भ में उन्हें उसी तीव्रता से नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत में दफ्तर वाली नौकरियों का अनुपात पश्चिमी देशों की तुलना में काफी कम है, जिससे दिमाग से किए जाने वाले कार्यों पर आधारित नौकरियों पर एआई से पड़ने वाला जोखिम सीमित रहता है। कृष्णन ने कहा, भारत में अन्य नौकरियों की तुलना में दफ्तर वाली नौकरियों की संख्या कम है। इसलिए ज्ञान-आधारित नौकरियों पर एआई का जोखिम उतना गंभीर नहीं है जितना अन्य देशों में है। इसके अलावा, दफ्तर वाले अधिकांश रोजगार स्टेम क्षेत्र में हैं, जो हमारे लिए अवसर भी पैदा करते हैं। आईटी सचिव ने कहा कि एआई ऐसी पहली प्रौद्योगिकी है, जो मुख्य रूप से ज्ञान-आधारित कर्मचारियों और संज्ञानात्मक श्रम को प्रभावित करने की क्षमता रखती है। पहले की औद्योगिक और अन्य क्रांतियों में मशीनों ने मुख्य रूप से शारीरिक श्रम की जगह ली थी, न कि दिमाग से किए जाने वाले कार्यों को प्रतिस्थापित किया था।

हालांकि, उन्होंने इस धारणा से असहमति जताई कि एआई निकट भविष्य में इंसानी कामगारों की जरूरत को पूरी तरह समाप्त कर देगा। उन्होंने कहा कि एआई का वास्तविक असर मानवीय क्षमताओं को बढ़ाने में होगा, ताकि लोग अपने विश्लेषणपरक मानवीय कार्यों को अधिक कुशलता और उत्पादकता के साथ कर सकें।

कृष्णन ने कहा, मुझे व्यक्तिगत रूप से ऐसा नहीं लगता है कि हम इतनी जल्दी उस स्थिति में पहुंच जाएंगे, जहां श्रमिकों की जरूरत ही खत्म हो जाए। एआई मानव क्षमता को बढ़ाएगा, जिससे सोच-समझकर किए जाने वाले कार्यों में उत्पादकता बढ़ेगी और संसाधनों तक बेहतर पहुंच संभव होगी। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि एआई से गलत या भ्रामक जानकारी मिलना यानी 'हैलुसिनेशन' अब भी चुनौती बनी हुई है।

स्क्रीनिंग

बॉलीवुड एक्टर अगस्त्य नंदा और सिमर भाटिया गुरुवार को मुंबई में आने वाली फिल्म इक्कीस की स्क्रीनिंग के दौरान बच्चों के साथ।

प्राकृतिक खेती से किसानों की आय बढ़ती है, लोगों को अनेक बीमारियों से मुक्ति भी मिलती है: शाह

रीवा (मध्यप्रदेश)/भाषा। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को रासायनिक उर्वरकों को अनेक प्रकार की बीमारियों की जड़ करार दिया और कहा कि प्राकृतिक खेती से ना सिर्फ किसानों की आय बढ़ती है बल्कि पानी की बचत भी होती है और लोगों को अनेक बीमारियों से मुक्ति भी मिलती है।

शाह ने यहां आयोजित 'कृषक सम्मेलन' को संबोधित करते हुए कहा कि प्राकृतिक खेती एक ऐसा पारंपरिक प्रयोग है, जिसे समय के साथ लोग भूलते चले गए जबकि एक ही देसी गाय से 21 एकड़ भूमि में प्राकृतिक खेती की जा सकती है। उन्होंने कहा कि किसान की मेहनत से जो अनाज उत्पन्न होता है, वह पूरी दुनिया का पेट भरता है। शाह ने कहा, ''आज अनेक प्रकार की बीमारियों की जड़ रासायनिक उर्वरक हैं। प्राकृतिक खेती एक ऐसा प्रयोग है, जो किसान की आय को कम नहीं होने देता है और साथ ही उसकी उपज को शुद्ध और गुणवत्तापूर्ण बनाता है।'' उन्होंने कहा, ''इससे आय बढ़ती है, पानी की बचत होती है और लोगों को अनेक बीमारियों से मुक्ति मिलती है।''

केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि देश में लगभग 40 लाख किसान प्राकृतिक खेती अपना चुके हैं और उन्होंने स्वयं अपने खेत में यह प्रयोग किया है। उन्होंने कहा कि इससे उत्पादन घटा नहीं, बल्कि बढ़ा है।

शाह ने कहा कि दुनिया में प्राकृतिक खेती का बहुत बड़ा बाजार है और वैश्विक बाजार में देश के किसानों की उपज बेहतर तरीके से पहुंच सके, इसके लिए भूमि परीक्षण से लेकर प्रमाणीकरण, उपज की प्रयोगशाला में जांच और पैकेजिंग तक की पूरी व्यवस्था विकसित की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सहकारिता मंत्रालय के माध्यम से दो बड़ी सहकारी संस्थाओं की स्थापना की है, जो प्राकृतिक खेती की उपज का प्रमाणीकरण, विश्वस्तरीय आधुनिक लैब में उसका परीक्षण, पैकेजिंग, मार्केटिंग और निर्यात का कार्य कर रही हैं।

शाह ने कहा, ''आने वाले समय में देशभर में 400 से अधिक प्रयोगशालाएं किसानों को प्रमाण पत्र प्रदान करेंगी, जिससे किसानों की आय लगभग डेढ़ गुना तक बढ़ेगी।''

दिल्ली हाई कोर्ट ने करिश्मा कपूर के बच्चों की याचिका पर फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री करिश्मा कपूर के बच्चों की अपने पिता संजय कपूर की संपत्ति में हिस्सेदारी दिए जाने की मांग वाली याचिका पर दिल्ली हाई कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। दिल्ली हाईकोर्ट में चल रहे संजय कपूर पारिवारिक संपत्ति विवाद में करिश्मा कपूर के बच्चों ने सनसनीखेज आरोप लगाए हैं। करिश्मा के बच्चों का दावा है कि उनके पिता संजय कपूर की वसीयत फर्जी है और इसे उनके जीवित रहते हुए ही छेड़छाड़ कर बदला गया है। पिछली सुनवाई में संजय कपूर के बच्चों की तरफ से वकील महेश जेठमलानी ने अदालत में दलील दी कि वसीयत में बदलाव तब किया गया जब संजय अपने बेटे के साथ छुट्टियों पर थे और वसीयत में संशोधन करने वाले व्यक्ति को संजय कपूर के निधन के एक दिन बाद ही कंपनी का डायरेक्टर बना दिया गया।

दिल्ली हाईकोर्ट में करिश्मा कपूर के बच्चों ने अपने दिवंगत पिता संजय कपूर की कथित वसीयत और संपत्ति में हिस्सेदारी को लेकर केस दायर किया है, जिसमें उन्होंने सौतेली मां प्रिया कपूर पर वसीयत में जालसाजी और पिता की संपत्ति हड़पने का आरोप लगाया है। करिश्मा के बच्चों का कहना है कि संजय कपूर ने उन्हें संपत्ति में हिस्सा देने का आश्वासन दिया था, लेकिन वसीयत में उनका नाम नहीं है, और प्रिया कपूर ने वसीयत में हेराफेरी की है। बच्चों के वकील ने वसीयत की फॉरेंसिक जांच की मांग की है, जिसका प्रिया कपूर के वकील विरोध कर रहे हैं। दिल्ली हाईकोर्ट ने प्रिया कपूर और वसीयत के निष्पादक को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

बता दें कि संजय कपूर की तीन बार शादी हुई थी। बिजनेसमैन ने पहली शादी फैशन डिजाइनर नंदिता महतानी से की थी। यह शादी चार साल तक चली थी। वहीं, दूसरी शादी उन्होंने अभिनेत्री करिश्मा कपूर से की थी। इससे दोनों के दो बच्चे, समायरा और कियान हैं। 2014 में करिश्मा और संजय ने आपसी सहमति से तलाक के लिए अर्जी दी। 2016 में उनका तलाक हो गया था और तीसरी शादी संजय ने प्रिया सचदेव से की थी। संजय और प्रिया का एक बेटा, अजारियस है। वहीं, संजय ने सफीरा चटवाल को गोद लिया था, जो प्रिया सचदेव कपूर की पहले पति विक्रम चटवाल से हुई बेटी थी। संजय कपूर की मौत के बाद उनकी प्रॉपर्टी को लेकर विवाद शुरू हो गया था।

इक्कीस पर विक्की कौशल: जब असली हीरो 21 की उम्र में ही लीजेंड बन जाते हैं

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता विक्की कौशल ने फिल्म इक्कीस को लेकर एक दमदार संदेश साझा करते हुए कहा कि असली हीरो बनने के लिए उम्र नहीं, बल्कि हिम्मत और जज़्बा मायने रखता है। उन्होंने बताया कि अगर इरादे मजबूत हों और हौसले फौलाद जैसे हों, तो 21 साल की उम्र में भी इतिहास रचा जा सकता है। विक्की कौशल ने कहा कि इक्कीस सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि उस साहस और बलिदान की कहानी है, जिसने देश को सबसे कम उम्र का परमवीर चक्र विजेता दिया। यह फिल्म सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल के जीवन से प्रेरित है, जिन्होंने बेहद कम उम्र में अद्भुत वीरता दिखाते हुए खुद को अमर कर दिया। फिल्म के जरिए दर्शकों को बेखौफ बहादुरी, जुनून और देश के लिए सर्वोच्च बलिदान की प्रेरक दास्तान देखने को मिलेगी। इक्कीस हर पीढ़ी को यह संदेश देती है कि सच्चा जज़्बा किसी उम्र का मोहताज नहीं होता। देशभक्ति और प्रेरणा से भरपूर यह फिल्म इक्कीस 1 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी, जो युवाओं से लेकर हर वर्ग के दर्शकों को प्रेरित करने का वादा करती है।

जेल से सुकेश का जैकलीन को दिया 'क्रिसमस गिफ्ट'

नई दिल्ली/ऐजन्सी

जेल में बंद कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर ने एक बार फिर अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज को क्रिसमस के मौके पर एक रोमांटिक लेटर लिखा। इस लेटर में सुकेश ने जैकलीन को क्रिसमस की शुभकामनाएं देते हुए उन्हें बेवर्ली हिल्स में एक शानदार मेंशन गिफ्ट करने का ऐलान किया है। सुकेश ने लेटर में बताया कि इस घर का नाम 'लव नेस्ट' रखा है, जो उनके प्यार का प्रतीक है। पत्र में सुकेश ने जैकलीन को 'मेरा बच्चा, मेरा बोम्मा' और 'मेरी जैकलीन' कहकर संबोधित किया है। उन्होंने लिखा, क्रिसमस का त्योहार तुम्हारे साथ बिताए खास पलों की याद दिलाता है और हमारा प्यार हमेशा यादगार रहेगा। सुकेश ने कहा कि इस बार का गिफ्ट कोई साधारण चीज नहीं, बल्कि कुछ ऐसा है जो क्रिसमस ट्री के नीचे फिट नहीं हो सकता। हालांकि, सुकेश ने इस बात का अफसोस भी जताया कि वह जैकलिन की खुशी भरी मुस्कान नहीं देख पा रहे हैं। सुकेश ने पत्र में बताया, 'द लव नेस्ट' वह घर है जो मैंने हम दोनों के लिए बनवाया था। पहले तुम्हें लगता था कि यह पूरा नहीं होगा, लेकिन मैंने इसे पूरा कर लिया और अब क्रिसमस के दिन इसे गिफ्ट कर रहा हूं। यह घर पहले की योजना से भी बड़ा और बेहतर है। खास बात यह है कि घर के आसपास एक निजी 19-होल गोल्फ कोर्स है, जो पूरे अमेरिका में अपनी तरह का अनोखा है।

लेटर में सुकेश ने जैकलिन की मां को भी याद किया, जिनकी मुस्कान और आशीर्वाद को वह हमेशा महसूस करते हैं। उन्होंने कहा, मां हमेशा हमारे साथ हैं। मैं खुद को पूरी तरह तुम्हारे हवाले कर चुका हूं। तुम्हारे बिना मेरी जिंदगी में कोई रंग नहीं है और हर पल तड़प जैसा लगता है। दुनिया से मिले घाव सिर्फ तुम्हारे प्यार से ठीक होंगे और आगे का सफर साथ मिलकर तय करेंगे। उन्होंने प्यार की कांच और नाजुक धागे से तुलना करते हुए कहा, मैं तुम्हें हमेशा अपने आसपास महसूस करता हूं, जैसे कोई भावना। हमारा पुराना समय फिर से वापस आएगा और हम दोनों साथ में कई खूबसूरत यादें बनाएंगे। मैं तुम्हारी खुशियों को कभी कम नहीं पड़ने दूंगा। मैं तुमसे बहुत प्यार करता हूं।एक और सरप्राइज का जिक्र करते हुए सुकेश ने बताया कि वह आईपीएल टीम का मालिक बनने की कोशिश कर रहे हैं और आरसीबी के लिए बोली लगा चुके हैं। ईश्वर के आशीर्वाद से सफलता मिलेगी। अंत में सुकेश ने जैकलिन को बहुत मिस करने की बात कही और वादा किया कि जल्द ही वह उनसे मिलेंगे।

पैन-इंडिया रिलीज को तैयार 'धुरंधर 2', अगले वर्ष देगी थिएटर्स में दस्तक

मुंबई/एजेन्सी

बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार सफलता हासिल करने वाली फिल्म 'धुरंधर' अब सीक्वल के साथ और बड़े स्तर पर वापसी कर रही है। मेकर्स ने 'धुरंधर 2' की पैन इंडिया रिलीज डेट की आधिकारिक घोषणा कर दी है।

फिल्म मेकर्स ने बताया कि यह फिल्म अगले साल ईद यानी 19 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। खास बात यह है कि इस बार फिल्म केवल हिंदी नहीं बल्कि पैन-इंडिया रिलीज के लिए तैयार है। यह एक साथ हिंदी, तेलुगू, तमिल, कन्नड़ और मलयालम कुल पांच भाषाओं में रिलीज होगी। मेकर्स का कहना है कि इस बार तूफान हर जगह लौटने वाला है। 'धुरंधर' सिर्फ हिंदी में रिलीज हुई थी, लेकिन साउथ इंडिया में इसे जबरदस्त प्यार मिला। सोशल मीडिया पर चर्चा और दर्शकों से मिली शानदार प्रतिक्रिया को लेकर साउथ के डिस्ट्रीब्यूटर्स और थिएटर ओनर्स ने लगातार डब वर्जन की मांग की। इस स्वाभाविक मांग को देखते हुए मेकर्स ने फैसला लिया कि सीक्वल को शुरू से ही हिंदी के साथ ही अन्य भाषाओं में भी रिलीज किया जाएगा। इससे भारत के साथ-साथ विदेशों में रहने वाले साउथ इंडियन दर्शक भी फिल्म सीधे अपनी भाषा में देख सकेंगे। धुरंधर के सीक्वल का निर्देशन भी आदित्य धर कर रहे हैं। इसे जियो स्टूडियोज और बी62 स्टूडियोज प्रोड्यूस कर रहे हैं। 'धुरंधर 2' में कहानी को पहले से कहीं ज्यादा गहराई दी जाएगी।

पुलकित सम्राट ने वरुण शर्मा, निर्माता सूरज सिंह के साथ महाकालेश्वर मंदिर में की पूजा-अर्चना

मुंबई/एजेन्सी

हाल ही में अभिनेता पुलकित सम्राट अपनी फिल्म 'राहु केतु' के को-स्टार वरुण शर्मा, शालिनी पांडे और निर्माता सूरज सिंह के साथ उज्जैन स्थित पवित्र महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर पहुंचे थे और वहां अपनी पूरी टीम के साथ उन्होंने भगवान महादेव का आशीर्वाद लिया। गौरतलब है कि ज्योतिष और हास्य के अनोखे संगम से सजी कॉमेडी एंटरटेनर फिल्म 'राहु केतु' अगले वर्ष 16 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली है। फिलहाल मंदिर दर्शन की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं, जिनमें पूरी टीम भक्ति में लीन नजर आ रही है। पारंपरिक परिधान में सजे कलाकारों को पूजा-अर्चना करते, विशेष अनुष्ठानों में भाग लेते और हर हर महादेव के जयकारे लगाते देखा जा रहा है। साथ ही मंदिर का आध्यात्मिक और दिव्य वातावरण फिल्म की यात्रा में एक सकारात्मक ऊर्जा जोड़ रहा है। ऑन-स्क्रीन और ऑफ-स्क्रीन मजबूत दोस्ती के लिए मशहूर पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा पूजा के बीच हल्के-फुल्के पल साझा करते भी नजर आए, जो उनकी शानदार केमिस्ट्री को दर्शाता है। वहीं शालिनी पांडे पूरे मनोयोग और शांति के साथ धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल रहीं। निर्माता सूरज सिंह ने पूरी टीम के साथ मिलकर पूजा का नेतृत्व किया, जो इस बात का संकेत है कि फिल्म के प्रमोशन की शुरुआत शुभ और सकारात्मक ऊर्जा के साथ की जा रही है।

टीम ने सोशल मीडिया पर मंदिर दर्शन की झलकियां साझा करते हुए आस्था, कृतज्ञता और दोस्ती जैसे भावों को उजागर किया। यह यात्रा सिर्फ एक धार्मिक पड़ाव नहीं, बल्कि पूरी यूनिट के लिए आत्मचिंतन और एकजुटता का खास पल भी रही। कॉमेडी फिल्म 'राहु केतु' दर्शकों के लिए एक फ्रेश और मनोरंजक अनुभव लेकर आने का वादा करती है, जिसमें ज्योतिषीय मान्यताओं को हास्य के साथ पिरोया गया है। महादेव के आशीर्वाद और टीम की मजबूत एकता के साथ, मेकर्स को पूरा भरोसा है कि फिल्म अगले साल सिनेमाघरों में दर्शकों के दिलों को जीतने में कामयाब रहेगी।

कांतारा फेम ऋषभ शेट्टी परिवार सहित श्रीक्षेत्र मंत्रालयम पहुंचे

रायचूर/एजेन्सी

फिल्म कांतारा की जबरदस्त सफलता के बाद कन्नड़ अभिनेता और निर्देशक ऋषभ शेट्टी हाल ही में परिवार संग आंध्र प्रदेश के प्रसिद्ध तीर्थस्थल श्रीक्षेत्र मंत्रालयम पहुंचे। यहां उन्होंने श्री राघवेंद्र स्वामी जी के मूल वृंदावन के पवित्र दर्शन किए। मठ के पुजारियों ने ऋषभ शेट्टी और उनके परिवार को आशीर्वाद दिया। साथ ही, अभिनेता को शेषवस्त्र, स्मृति चिन्ह, फल और मंत्राक्षते भेंट किए। श्री राघवेंद्र स्वामी का मूल वृंदावन तुंगभद्रा नदी के किनारे बसे मंत्रालय में स्थित है। यह स्थान कुरनूल जिले में पड़ता है। यह जगह उनके भक्तों के लिए अत्यंत पवित्र स्थल है। मान्यता है कि स्वामी जी ने सन 1671 में यहीं पर समाधि ली थी और उनके भक्त मानते हैं कि वे अब भी वहां वास करते हैं और भक्तों को आशीर्वाद देते हैं। अभिनेता ऋषभ शेट्टी अक्सर अपनी फिल्मों की सफलता के बाद कई मंदिरों में दर्शन करने जाते हैं। इससे पहले भी वे कई पवित्र स्थलों में परिवार संग जा चुके हैं। ऋषभ शेट्टी की फिल्मों में भारतीय संस्कृति, परंपराओं और आध्यात्मिकता की झलक देखने को मिलती है।

फिल्म कांतारा अक्टूबर 2025 में रिलीज हुई थी। फिल्म ने दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ी थी। दिलचस्प बात ये है कि ऋषभ ने फिल्म में अभिनय के साथ निर्देशन और लेखन भी किया था, जबकि विजय किरगंडुर फिल्म के निर्माता थे।

होम्बले फिल्म्स के बैनर तले फिल्म को हिंदी, कन्नड़, तेलुगु, तमिल, मलयालम, बंगाली और अंग्रेजी भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। इससे पहले साल 2022 में 'कांतारा चैप्टर-1' रिलीज की गई थी। वहीं, इस साल अक्टूबर में इसका प्रीक्वल रिलीज किया गया था। फिल्म में रुक्मिणी वसंत, जयराम और गुलशन देवैया जैसे शानदार कलाकारों ने कहानी को और भी रोमांचक बना दिया था।

चालीसवां स्थानीय धार्मिक शिक्षण शिविर प्रारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। श्री कोयंबटूर स्थानकवासी जैन संघ के तत्वाधान में प्रतिवर्ष के भांति इस वर्ष भी स्थानीय धार्मिक शिक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ। एस सी एस जैन संघ के अध्यक्ष हनुमान चंद बागरेचा की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में बतौर मुख्य अतिथि समाज सेवी जैन महासंघ के पूर्व अध्यक्ष भंवरलाल कोठारी पधारे। शिविर उद्घाटन राजस्थानी संघ के अध्यक्ष गौतम श्रीश्रीमाल रहे।

संघ के सचिव धर्मेंद्र श्रीश्रीमाल ने शिविर के बहुआयामी परिणामों पर अपने विचार रखें। भंवरलाल कोठारी ने शिविरार्थियों को शपथ दिलवाया एवं गौतम श्रीश्रीमाल ने शिविर के विधिवत उद्घाटन की घोषणा की। समारोह में संघ के गणमान्य जनों के साथ ही कार्यकारिणी सदस्य, ट्रस्टी, युवक संघ, बालिका मंडल एवं ट्रस्टी उपस्थित रहे। शिविर में करीब 200 शिविरार्थियों ने पंजीकरण करवाया है। आगामी सात दिनों तक सभी बच्चे धार्मिक अध्ययन में संलग्न रहेंगे। अंतिम दिन परीक्षा आयोजित किए जाएंगे। पाठशाला समिति के अध्यक्ष राकेश गोलछा ने संचालन किया।

मन को परिवर्तित कर दुखों का अंत किया जा सकता है : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के कॉक्स टाउन में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्री ने कहा कि संसार में इतने भी व्यस्त नहीं रहना है कि मुख्य सर्वर से संबंध टूट जाए, अन्यथा जीवन में गड़बड़ होगी ही। ध्यान रहे मुख्य सर्वर से संबंध हमेशा जुड़ा होना चाहिए, क्योंकि मनुष्य का मस्तिष्क एक छोटे से डिवाइस जैसा है जो यूनिवर्सल से कनेक्ट रहने पर ठीक से कार्य करता है। सर्वर मिन्स परमात्मा, गुरु, परिवार। अपने दुखों के लिए दुनियां को दोषी नहीं मानना है, ये कर्मफल है भोगना ही पड़ेगा, बस अपने मन को परिवर्तित करना है हमारे दुखों का अंत स्वयं हो ही जाएगा। साध्वी शीतलगुणाश्री ने कहा कि प्रकृति खुशी और आनंद का भंडार है। यह दिव्य सौंदर्य का एक शाश्वत स्रोत है। यह व्यक्ति के लिए एक दोस्त, गाइड और केयरटेकर और एक हीलिंग टच है। एक बीमार शरीर या टूटा हुआ मन को प्रकृति की गोद में आने से बहुत सांत्वना, साहस और आराम महसूस होता है यह व्यक्ति को नई ऊर्जा और जज्बात प्रदान करता है। प्रकृति परमात्मा का स्वरूप है। ज्ञान का सही उपयोग ही विजेता को अन्य लोगों से अलग बनाता है। वसंतराज भंसाली ने बताया कि विहार सेवा का लाभ अशोककुमार कटारिया, आकाश, कुणाल, सरला बाई कटारिया, अक्षय मुथा, अनिल कांकरिया ने लिया।

सच्ची मित्रता धन दौलत से नहीं प्रेम और विश्वास पर आधारित है : प्रियाशरण महाराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के अन्ना नगर स्थित एसआरकेके अग्रवाल सभा भवन में चल रही कथा के अंतिम दिन कथा वाचक प्रियाशरण महाराज ने सुदामा चरित्र, परीक्षित मोक्ष एवं श्री सुखदेव विदाई के मार्मिक प्रसंगों का विस्तार से वर्धन करते हुए कहा कि सच्चा मित्र वही है जो अपने मित्र का उसकी विपत्ति में साथ दें। उसे स्वयं से नीचा रखने के बजाय समकक्ष बनाने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि मित्रता का अर्थ स्वार्थ नहीं बल्कि सहयोग और समर्पण होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सच्ची मित्रता धन और दौलत से नहीं आंकी जाती। वह तो सच्चे प्रेम और विश्वास की भावना पर टिकी होती है । उन्होंने कहा कि सुदामा की कृष्ण के प्रति भक्ति उनकी गरीबी को दूर करने का माध्यम बना जो यह बताता है कि ईश्वर हर परिस्थिति में अपने भक्तों के साथ खड़े रहते है। कथा वाचक ने कहा कि ईश्वर की सच्चे मन से आराधना करने से जीवन में काम और मोक्ष दोनों का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा का सात दिनों तक श्रवण करने से जीवन का उद्धार हो जाता है। तो वहीं इसे कराने वालों को भी पुण्य की प्राप्ति होती है। कथा आयोजक मोहनलाल सर्राफ, चंद्रप्रकाश सर्राफ, राजेंद्र कुमार गुप्ता सहित अनेक गणमान्य लोग कथा में उपस्थित रहे।

बुजुर्गों के सम्मान में 'माता-पिता वंदना' का आयोजन 28 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। बड़ों की सेवा ही ईश्वर की सच्ची पूजा है। इसी उदात्त भावना के साथ प्लैटिनम भावांजलि फाउंडेशन (रजि.) द्वारा आगामी रविवार, 28 दिसंबर को एक ऐतिहासिक समारोह 'माता-पिता वंदना एवं चरण पाद पूजा' का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम चेन्नई के अयनावरम स्थित जय दादावाड़ी में सुबह होगा। इस समारोह का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को अपने माता-पिता और बुजुर्गों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर प्रदान करना है।

उन्होंने बताया कि फाउंडेशन केवल एक संस्था नहीं, बल्कि बुजुर्गों के लिए 'घर से दूर एक घर' की परिकल्पना को साकार कर रहा है। समारोह में मुख्यअतिथि के रूप में दीपचन्द लूनिया तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में जैन सहायक समिति के सचिव एवं सीए धनपतराज सांकलेचा तथा 103 वर्षीया कमलादेवी धाकड़ा जैन उपस्थित होंगी। मुख्यवक्ता के रूप में बेंगलूरु के जैन फार्म के मंगल जैन अपना उद्बोधन देंगे।

संस्था के चेयरमैन सुभाष चंद रांका और प्रबंध न्यासी जी.डी. रांका ने बताया कि फाउंडेशन चेन्नई में बुजुर्गों के लिए पांच सितारा सुविधाओं से युक्त डे-केयर सेंटर चला रहा है। जहाँ उन्हें मनोरंजन, स्वास्थ्य देखभाल और आत्मीय वातावरण दिया जाता है। सेवा-असीमित के मंत्र के साथ, संस्था जरूरतमंदों को स्वास्थ्य उपकरणों की सुविधा भी प्रदान करती है।

केशव विद्या केंद्र में आयोजित हुई शैक्षणिक प्रदर्शनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। शहर के रेणुका नगर केशव विद्या केंद्र में एक शैक्षणिक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। यह प्रदर्शनी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पंच परिवर्तन विचार पर आधारित थी, जिसमें विज्ञान, गणित, अंग्रेज़ी, कन्नड़, संस्कृत, कला, शारीरिक शिक्षा एवं सामाजिक विज्ञान जैसे विभिन्न विषयों पर विद्यार्थियों द्वारा आकर्षक मॉडलों का प्रदर्शनों किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय के सचिव दत्तमूर्ति कुलकर्णी एवं कोषाध्यक्ष विनोद पटवा द्वारा किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या शारावती कुलकर्णी तथा प्रशासनिक अधिकारी श्रीधर जोशी भी उपस्थित रहे। कुलकर्णी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों की रचनात्मकता को बढ़ाने और उनके सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत उपयोगी होते हैं। कोषाध्यक्ष विनोद पटवा ने बच्चों द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की।

बेंगलूरु में 28 को सजेगा 'बाबा गंगाराम' का दरबार

'बाबा गंगाराम कल्याण महोत्सव' को लेकर उत्साह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

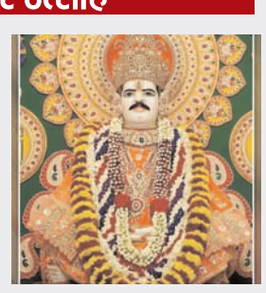

बेंगलूरु। स्थानीय बाबा गंगाराम सेवा समिति द्वारा आगामी 28 दिसम्बर को पैलेस ग्राउंड, प्रिंसेस ग्रीन सभागार में 'विष्णु अवतारी बाबा गंगाराम कल्याण महोत्सव' का आयोजन किया जा रहा है। इस महोत्सव में भजन संध्या, अलौकिक झांकी सजाई जाएगी। मुख्य आकर्षण के रूप में सैंड आर्ट कलाकार नीतिश भारती द्वारा बाबा गंगारामजी के जीवन चरित्र का चित्रण किया जाएगा। साथ ही बनारस से आ रहे 11 विद्वान पंडितों द्वारा विख्यात गंगा आरती का आयोजन भी किया जा रहा है।

भजन संध्या में कोलकाता के भजन गायक नवीन जोशी सहित अनेक स्थानीय गायक भजनों की प्रस्तुति देंगे। इस महोत्सव में बाबा के मुख्य धाम श्री पंचदेव मंदिर की झांकी सजाई जाएगी। महोत्सव का शुभारंभ अग्रवाल समाज के उपाध्यक्ष संजय जालान द्वारा किया जाएगा। पंडित श्रवण कुमार के सान्निध्य में अखंड ज्योति प्रज्वलन और विशेष पूजन के साथ इस आध्यात्मिक संध्या की शुरुआत की जाएगी। गंगा आरती का दीप प्रज्वलन अग्रवाल समाज के अध्यक्ष सुभाष बंसल द्वारा किया जाएगा।

समिति के अध्यक्ष गौरीशंकर गुप्ता ने बताया कि इस धार्मिक समागम का मुख्य उद्देश्य भक्तों को श्री बाबा गंगाराम की असीम और चमत्कारी महिमा से अवगत कराना है। उन्होंने बताया कि राजस्थान के शेखावाटी अंचल (झुंझुनू) में स्थित श्री बाबा गंगारामजी का पावन धाम 'श्री पंचदेव मंदिर' के नाम से विश्व विख्यात है। यहाँ विष्णु अवतारी श्री बाबा गंगाराम के साथ शिव परिवार, माता लक्ष्मी, हनुमानजी और माँ दुर्गा विराजमान हैं।

अदिति माधनकुमार द्वारा भरतनाट्यम की प्रस्तुति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शिव ज्योति डांस अकादमी की शिष्या अदिति माधनकुमार ने मइलापुर स्थित रसिका रंजनी सभा में मनमोहक भरतनाट्यम अरंगेत्रम प्रस्तुत किया। इस अवसर पर संगत देने वाले कलाकारों में नगुवांगम गायत्री राजाजी, मृदंगम बालस्कंदन, गायन विग्नेश रविचंद्रन, वायलिन शिखमणि, वीणा अनंता नारायणन एवं बांसुरी बी. सम्मिलित थे। मुख्य अतिथि कलैमामणि मदुरै आर. मुरलीधरन मुरुकुमार एवं रमणन बालगंगाधरन ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

अदिति की प्रस्तुति में देव तोड्या मंगलम, आलारिप्पु, भजन हरि हरि हरि, वर्णम, दशावतारम एवं शक्ति कुटु का सुंदर संकलन रहा।

अलसूर में जेपीपी महिला फाउंडेशन ने लगाया 'बाल मेला'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जेपीपी महिला फाउंडेशन अलसूर शाखा ने जैन भवन में बाल मेले का आयोजन किया। श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के अध्यक्ष धनपत राज बोहरा एवं मंत्री अभय कुमार बांठिया ने फीता खोल कर मेले का उद्घाटन किया। जेपीपी के चेयरमैन गायत्री गादिया अध्यक्षा दीपा बोहरा तथा मंत्री समता छाजेड़ ने दीप प्रज्वलित किया।

दीपा बोहरा ने अपने स्वागत भाषण में बताया कि राष्ट्रीय जेपीपी महिला फाउंडेशन के निर्देशानुसार बाल मेले का आयोजन किया गया है। इस मेले में बच्चों के आकर्षण के लिए विभिन्न प्रकार के गेम्स रखे गए हैं और अनेक स्टाल लगाए गए हैं। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने कहा कि आज के परिवेश में बच्चों को घर से बाहर का वातावरण उपलब्ध कराना बहुत जरूरी हो गया है। जयमल जैन श्रावक संघ की ओर से गौतमचंद छाजेड़ ने मेले की सफलता की कामना की।

इस अवसर पर संजय सुराणा, प्रेमचंद खींचा, महेंद्र मकाना, शांतिलाल लोढ़ा, नंदा गादिया, मधु मकाना, सपना लोढ़ा, रेखा कोठारी, सारिका डेसरला सहित अलसूर महिला मंडल, जैन युवक संघ,नवकार बहु मंडल के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य भी उपस्थित थे।

जैन समाज राजनीति में सक्रियता बढ़ाए : जब्बार अहमद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 'कर्नाटक का जैन समाज व्यापारिक एवं सामाजिक रूप से जितना सक्रिय है उसी के अनुरूप राजनैतिक रूप से भी समाज को सक्रियता बढ़ानी चाहिए, व्यापार के प्रत्येक प्रारूप में अपना लोहा मनवाने वाले जैन समाज में राजनैतिक रूप से स्थापित होने की काबिलियत भी है।' यह बात कर्नाटक सरकार के विधान परिषद सदस्य एवं कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस समिति अल्पसंख्यक के प्रदेश अध्यक्ष के. अब्दुल जब्बार ने जैन समाज के प्रतिनिधियों से शिष्टाचार भेंट के दौरान कही। उन्होंने कहा कि निःसंदेह अन्य क्षेत्रों की तरह राजनीति में भी प्रतिस्पर्धा है परंतु जैन समाज अपनी सूझबूझ एवं सामाजिकता के मद्देनजर राजनीति में अपने पैर जमा सकता है बशर्ते कि इसके प्रति समर्पित भाव हो। साथ ही उन्होंने कहा कि समाज को आज परिदृश्य को समझना होगा। प्रतिनिधि मंडल में शामिल अल्पसंख्यक कांग्रेस समिति के प्रदेश उपाध्यक्ष सिद्धार्थ बोहरा ने उनके विचारों पर सहमति जताते हुए आग्रह किया कि आने वाले पार्षद चुनावों में जैन समाज के इच्छुक दावेदारों को कांग्रेस पार्टी का टिकट दिलवाने में सहयोग करे। साथ ही उन्होंने कहा कि अब परिस्थितीय बदल रही है और जैन समाज भी राजनैतिक रूप से अपनी सक्रियता बढ़ा रहा है। प्रतिनिधि मंडल में शामिल श्रीरामपुरम श्रीसंघ के अध्यक्ष ताराचंद गुगलिया ने अब्दुल जब्बार से निवेदन किया कि कर्नाटक सरकार के निगम-मंडली में जैन समाज को उचित प्रतिनिधित्व दिलवाए। अब्दुल जब्बार ने प्रतिनिधि मंडल को यथासंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

कर्नाटक के बेंगलूरु में क्रिसमस सेलिब्रेशन के दौरान सेंट मैरी बेसिलिका में सांता क्लॉज़ की मूर्तियों के साथ बच्चे तस्वीरें खिंचवाते लोग।

चिकित्सा और सामाजिक सेवा हेतु वाहन भेंट किया गया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । यूथ फॉर सेवा समूह के तत्वावधान में पूरे भारतवर्ष में अनेकों सेवा कार्य प्रकल्प चल रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए स्वामित्वा ग्रुप के बाबूभाई, अशोककुमार, महावीरकुमार मेहता परिवार द्वारा यूथ फॉर सेवा के फाउंडर वेंकटेश मूर्ति और अविक्षिता को ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा सेवा और सामाजिक कार्यों हेतु एक वैन भेंट की। इस अवसर पर कर्नाटक विश्व हिंदू परिषद, कर्नाटक के धर्म प्रचारक प्रमुख सूर्यनारायण, अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन के अध्यक्ष ललित डाकलिया, उपाध्यक्ष डॉ वासु सारड़ा, आदि सदस्य उपस्थित थे। स्वामित्वा ग्रुप द्वारा समय समय पर अनेक प्रकल्पों के माध्यम से धार्मिक और सामाजिक क्षेत्र में योगदान प्रदान किया जाता है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.